(स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र)

हिन्दी दैनिक

बुद्ध का संदेश

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

शनिवार, 04 सितंबर 2021 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 08 अंकः 259 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/—रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड—133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

जल्दी ही बॉलीवुड में बड़ी बड़ी...8

1984 सिख विरोधी दंगा मामला : न्यायालय ने सज्जन कुमार की जमानत याचिका खारिज की

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 1984 के सिख विरोधी दंगा मामलों में जेल की सजा काट रहे कांग्रेस के पूर्व नेता सज्जन कुमार को स्वास्थ्य के आधार पर जमानत देने से शुक्रवार को इनकार करते हुए कहा कि मेडिकल रिकॉर्ड्स के अनुसार उसकी हालत स्थिर है और उसमें सुधार हो रहा है। कुमार के वकील ने दलील दी थी कि पूर्व सांसद को एक निजी अस्पताल में अपने खर्च पर इलाज कराने की अनुमति दी जाए। इस पर उच्चतम न्यायालय ने कहा कि उसका ''सुपर वीआईपी मरीज'' के तौर पर इलाज नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल ओर न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश की पीठ ने कुमार की पैरवी करने वाले वकील से कहा, ''आपको लगता है कि वह देश में अकेले मरीज हैं जिनका इलाज किया जाना है। वह मरीजों में से एक हैं।'' पीठ ने कहा कि कुमार ''जघन्य अपराध'' के आरोपी हैं। उसने कहा, ''आप चाहते हैं कि उनका एक तरह के सुपर वीआईपी मरीज की तरह इलाज किया जाए। यही हो रहा है।'' सुनवाई की शुरुआत में कुमार के वकील ने मेडिकल रिकॉर्ड्स का हवाला दिया और कहा कि यहां एक सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों ने उसकी जांच की और रिपोर्ट कहती है कि उसकी हालत में सुधार है और अस्पताल में कुछ और दिन तक उसकी देखभाल की आवश्यकता है। वकील ने कहा कि डॉक्टरों ने समस्या का पता चलने के बारे में कोई निष्कर्ष नहीं दिया है और कुमार का करीब 18 किलोग्राम वजन कम हो गया है। उन्होंने कहा कि 75 वर्षीय कुमार का पहले एक निजी अस्पताल के डॉक्टर ने इलाज किया था और हिरासत में रहते हुए अपने खर्च पर उसका वहां इलाज हो सकता है। पीठ ने कहा, ''नहीं, माफ कीजिए। उसकी यहां देखभाल की जा रही है।'' उसने कहा कि उसके सामने ऐसी तस्वीर पेश की गयी कि कुछ बहुत गलत है लेकिन मेडिकल रिपोर्टों के अनुसार ये उम्र से जुड़ी बीमारियां हैं। कुमार के वकील ने कहा कि पूर्व सांसद की नियमित जमानत याचिका उच्चतम न्यायालय के समक्ष लंबित है। शीर्ष न्यायालय ने 24 अगस्त को सीबीआई को कुमार की चिकित्सा स्थिति की पुष्टि करने और एक हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया था। पिछले साल सितंबर में उच्चतम न्यायालय ने स्वास्थ्य आधार पर कुमार की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने 17 दिसंबर 2018 को इस मामले में कुमार तथा अन्य को दोषी ठहराया था जिसके बाद 75 वर्षीय कुमार उम्रकैद की सजा काट रहा है। उच्च न्यायालय ने नवंबर 1984 को दक्षिणपश्चिम दिल्ली की पालम कॉलोनी में राजनगर पार्ट–1 इलाके में पांच सिखों की हत्याओं और राजनगर पार्ट–2 में एक गुरुद्वारे को जलाने से संबंधित मामलों में 2013 में निचली अदालत द्वारा कुमार को बरी करने का फैसला पलट दिया था। गौरतलब है कि 31 अक्टूबर 1984 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उनके दो सिख अंगरक्षकों द्वारा हत्या करने के बाद दंगे भड़के थे।

सुदूर पूर्व के विकास में भारत होगा रूस का विश्वसनीय भागीदार: पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मुझे ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम

को संबोधित करते हुए खुशी हो रही है और इस सम्मान के लिए राष्ट्रपति पुतिन को धन्यवाद देता हूं। भारतीय इतिहास और सभ्यता में श्संगमश का एक विशेष अर्थ है। इसका अर्थ नदियोंध्लोगोंध विचारों का संगम या एक साथ आना है। मेरे नजर में व्लादिवोस्तोक वास्तव में यूरेशिया और प्रशांत का श्संगमश है। मैं रूसी सुदूर पूर्व के विकास के लिए राष्ट्रपति पुतिन के दृष्टिकोण की सराहना करता हूं। इस विजन को साकार करने में भारत रूस का एक विश्वसनीय भागीदार होगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और रूस ने ब्टप्ब के बावजूद कारोबार में सुधार किया है। इसमें भारतीय इस्पात उद्योग को कोकिंग कोल की लंबी अवधि की आपूर्ति शामिल है। हम कृषि उद्योग, चीनी मिट्टी की चीजें, सामरिक और दुर्लभ पृथ्वी खनिजों और हीरे में भी नए अवसर तलाश रहे हैं। भारत के पास एक प्रतिभाशाली और समर्पित कार्यबल है। जबकि सुदूर पूर्व संसाधनों में समृद्ध है, भारतीय कार्यबल के लिए रूसी सुदूर पूर्व के विकास में योगदान करने की जबरदस्त गुंजाइश है।

अहमदाबाद विस्फोट केस में 13 साल बाद सुनवाई पूरी, अदालत ने फैसला सुरक्षित रखा

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में हुए श्रृंखलाबद्ध बम धमाकों के 13 साल बाद यहां की एक विशेष अदालत ने इस मामले में 77 आरोपियों के खिलाफ सुनवाई पूरी कर ली और अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। उस घटना में 56 लोगों की मौत हो गयी थी। अभियोजन पक्ष ने बम धमाकों के एक साल बाद दिसंबर 2009 में शुरू हुए लंबे मुकदमे में 1,100 से अधिक गवाहों को पेश किया। विशेष न्यायाधीश ए आर पटेल ने बृहस्पतिवार को सुनवाई पूरी करने की घोषणा की और फैसला सुरक्षित रख लिया। अहमदाबाद शहर में 26 जुलाई, 2008 को 70 मिनट के भीतर 21 बम विस्फोटों में कम से कम 56 लोग मारे गए थे और

200 से अधिक घायल हुए थे।

पुलिस ने दावा किया था कि आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) से जुड़े लोग विस्फोटों में शामिल थे और यह प्रतिबंधित स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) के कट्टरपंथियों का एक धड़ा था।यह आरोप लगाया गया था कि आईएम आतंकवादियों ने 2002 के गोधरा दंगों का बदला लेने के लिए इन विस्फोटों की योजना बनाई थी। इन धमाकों के कुछ दिनों बाद, पुलिस ने सूरत के विभिन्न हिस्सों से बम बरामद किए और उसके बाद अहमदाबाद में 20 और सूरत में 15 प्राथमिकी दर्ज की गईं।अदालत द्वारा सभी 35 प्राथमिकी को एकसाथ कर दिए जाने के बाद सुनवाई की गयी। गुजरात पुलिस द्वारा विभिन्न समय पर गिरफ्तार किए गए 85 आरोपियों में से 78 लोगों के खिलाफ सुनवाई शुरू हुयी और एक आरोपी के सरकारी गवाह बनने के बाद यह संख्या घटकर 77 रह गई। इस मामले में कम से कम आठ से नौ आरोपी अब भी फरार हैं।

आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता के साथ ही गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) कानून के प्रासंगिक प्रावधानों के तहतमामला दर्ज किया गया है। विशेष अदालत शुरू में साबरमती केंद्रीय कारागार में मामले की सुनवाई करती थी। बाद में ज्यादातर कार्यवाही वीडियो–कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए की जाती थी। सुनवाई जारी रहने के दौरान ही कुछ आरोपियों ने 2013 में जेल में 213 फुट लंबी सुरंग खोदकर कथित रूप से भागने की कोशिश की थी। जेल से भागने के प्रयास का मुकदमा अभी लंबित है।

पंजशीर पर कब्जा करने का ख्वाब देखने वाले तालिबानियों के लिए काफी हैं बाबा जालंदर, डर से कापते हैं चरमपंथी

काबुल। तालिबान ने भले ही अफगानिस्तान के 33 प्रांतों पर कब्जा कर लिया हो लेकिन पंजशीर अभी भी उनसे कोसो दूर है। पिछली बार भी तालिबान पंजशीर पर कब्जा नहीं कर पाया था और अब लगातार घुसपैठ की कोशिशें कर रहा है। लेकिन उसका मुकाबला पंजशीर के शेरों और बाबा से हो रहा है। पंजशीर घाटी में अहमद मसूद के नॉर्दन एलायंस ने श्बाबा जलंदरश को तालिबानियों का मुकाबला करने की जिम्मेदारी सौंपी है, जिनके तालिबानी थर–थर कांपते हैं। भले ही तालिबान पंजशीर को लेकर लाख तरह के दावे करे लेकिन सच्चाई सभी के सामने है। जहां बाकी के प्रांतों ने तालिबान के कब्जे में हैं, वहीं पंजशीर का हौसला बुलंद है और वहां पर मौजूद लोग अहमद मसूद और बाबा जालंदर के

साथ मिलकर सामना कर रहे हैं। कौन हैं बाबा जालंदर ?: बाबा जालंदर कोई और नहीं बल्कि अहमद शाह मसूद के सबसे काबिल कमांडर थे। जिन्हें कमांडर वाहिद जालंदर के नाम से जाना जाता है और नॉर्दन एलायंस के लोग उन्हें प्यार से बाबा जालंदर के नाम से जानते हैं। हाल ही में नॉर्दन एलायंस ने बाबा जलंदर की एक तस्वीर साझा की थी। जिसमें उन्होंने लिखा कि युद्ध शुरू हो चुका है। शील्ड कमांडर वाहिद जालंदर को पंजशीर की रक्षा के लिए नियुक्त किया गया था। कमांडर वाहिद को तालिबान के खिलाफ लड़ने में 35 साल का अनुभव है। नॉर्दन एलायंस ने बाबा जालंदर को तालिबान के खिलाफ मोर्चा संभालने की जिम्मेदारी सौंपी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक रेजिस्टेंस फोर्स ने अलग–अलग मोर्चे पर 500 से अधिक तालिबानियों को ढेर किया गया है। आपको बता दें कि नॉर्दन एलायंस और तालिबानियों के बीच में लगातार गोलीबारी जारी है। अभी तक नॉर्दन एलायंस की रेजिस्टेंस फोर्स ने 500 से अधिक चरमपंथियों को ढेर किया है। रेजिस्टेंस फोर्स ने गुरुवार की शाम तक 470 से अधिक तालिबानियों को मार गिराया था, जबकि शुक्रवार को 40 और चरमपंथियों के मारे जाने की खबर है। दाहिने हाथ रहे कमांडर वाहिद हैं। कमांडर वाहिद को तालिबानियों से लड़ने में 35 साल का अनुभव है। वाहिद को प्यार से नॉर्दन एलायंस के लोग श्बाबा जलंदरश के नाम से जानते है। गुरुवार रात को कमांडर वाहिद को पंजशीर में तालिबानियों से लड़ने की जिम्मेदारी दी गई। नॉर्दन एलायंस के मुताबिक 12 घंटों के भीतर ही तकरीबन पांच सौ तालिबानियों को अलग–अलग मोर्चों पर मार गिराया गया जबकि बहुत से तालिबानी आतंकियों ने सरेंडर भी कर दिया।

गाय का कल्याण होगा, तभी इस देश का कल्याण होगा:इलाहाबाद उच्च न्यायालय

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि जब गाय का कल्याण होगा, तभी इस देश का कल्याण होगा और कभी कभी यह देखकर बहुत कष्ट होता है कि गाय के संरक्षण और संवर्धन की बात करने वाले ही गाय के भक्षक बन जाते हैं। न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव ने बुधवार को याचिकाकर्ता जावेद की जमानत याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। जावेद पर आरोप है कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर वादी खिलेंद्र सिंह की गाय चुराई और उसका वध किया। अदालत ने कहा, "सरकार गौशाला का निर्माण तो कराती है, लेकिन उसमें गाय की देखभाल करने वाले लोग ही उसका ध्यान नहीं रखते। इसी तरह निजी गौशाला चलाने वाले लोग जनता से चंदा और सरकार से सहायता तो ले लेते हैं, लेकिन इसे गाय की देखभाल में ना लगाकर अपने निजी स्वार्थ में खर्च करते हैं।" साथ ही अदालत ने कहा, "ऐसे तमाम उदाहरण हैं जहां गौशाला में गायें भूख और बीमारी से मर जाती हैं या मरणासन्न अवस्था में हैं। उन्हें जहां रखा जाता है, वहां सफाई नहीं होती। चारे के अभाव में गाय पॉलीथिन खाती है और बीमार हो कर मर जाती है। दूध देना बंद कर देने पर उन्हें सड़कों पर छोड़ दिया जाता है। ऐसे में गाय का संरक्षण, संवर्धन करने वाले लोग क्या कर रहे हैं?" अदालत ने कहा, "गाय के संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य केवल एक मत, धर्म, संप्रदाय का नहीं है, बल्कि गाय भारत देश की संस्कृति है और संस्कृति को बचाने का कार्य देश में रहने वाले हर नागरिक का है चाहे वह किसी भी धर्म का हो या उपासना करने वाला हो।" अदालत ने कहा, "ऐसे सैकड़ें उदाहरण हमारे देश में हैं कि जब जब हम अपनी संस्कृति को भूले, तब तब विदेशियों ने हम पर आक्रमण कर हमें गुलाम बनाया।

सीएम योगी ने बाढ़ प्रभावित इलाके का किया हवाई दौरा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहराइच में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके बाद उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों से बातचीत की और राहत सामग्री का वितरण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि राहत और बचाव के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीएसी की बाढ़ ईकाई को हर जिले में तैनात किया गया है। अगर किसी की बाढ़ के पानी में डूबने या किसी हिंसक जानवर के काटने से मौत होती है तो पीड़ित परिवारों को तत्काल 4 लाख रुपए उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। 5 सितंबर से शुरू होगा व्यापक अभियानः योगी आदित्यनाथ ने कहा

कि हम लोगों ने एक–एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी को नोडल अधिकारी के तौर पर तैनात करने का निर्देश दिया है। यह अधिकारी हर जनपद में जाएंगे और अगले 4–5 दिनों तक कैंप करेंगे। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री और वहां पर चल रहे बचाव अभियानों की समीक्षा करेंगे। 5 से 12 सितंबर तक प्रदेश के हर जनपद में स्वच्छता, सैनिटाइजेशन, शुद्ध पेय जल की आपूर्ति इत्यादि के लिए एक व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग, चिकित्सा शिक्षा विभाग, नगर विकास, ग्रामीण विकास और पंचायती राज, महिला और बाल विकास को विशेष रूप से जिम्मेदारी दी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के भीतर बाढ़ की स्थिति नियंत्रण में हैं। आपको बता दें कि मुख्यमंत्री 3 दिनों तक बाढ़ प्रभावित इलाकों से जुड़े कार्यक्रम करेंगे। उन्होंने बताया कि बाढ़ बचाव के लिए हम लोगों ने पहले ही जल शक्ति मंत्रालय की तरह से जो कार्य योजना बनाई थी वो लगभग पूर्णतरू की ओर है।

गणेश उत्सव से पहले मुंबई में मास्क नहीं पहनने वालों पर कार्रवाई हुई

मुंबई। गणेश उत्सव शुरू होने में कुछ ही दिन शेष हैं, ऐसे में मुंबई पुलिस ने उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है, जो कोरोना वायरस महामारी के बीच शहर की सड़कों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर बिना मास्क के घूमते पाए जा रहे हैं। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। महाराष्ट्र में धूमधाम से मनाया जाने वाला दस दिवसीय गणेश उत्सव 10 सितंबर से शुरू होगा। अधिकारी ने कहा, मुंबई पुलिस आगामी त्योहारी सीजन के दौरान शहर भर में सुरक्षा प्रदान करने के लिए कमर कस रही है। लोग त्योहार मनाने के लिये बिना मास्क सड़कों पर दिखाई दे रहे हैं, जिसके चलते पुलिस ने उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। इस संबंध में बुधवार को संयुक्त सीपी (कानून व्यवस्था) विश्वास नांगरे पाटिल द्वारा आदेश जारी किए गए। उन्होंने कहा कि महानगर के सभी पुलिस थानों को उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा गया है। मुंबई में बृहस्पतिवार को कोविड–19 के 441 मामले सामने आए। शहर में लगातार दूसरे दिन 400 से अधिक मामले सामने आए हैं। तीन रोगियों की मौत हुई है। मुंबई में 16 अगस्त को कोविड–19 के 190 मामले सामने आए थे, जिसके बाद से संक्रमण के मामलों में तेज वृद्धि देखी गई है।

सरकार को एनएमपी के उद्देश्यों के बारे में स्पष्ट करना चाहिएः पी चिदंबरम

मुंबई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी) को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए शुक्रवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार को अपने इस कदम के उद्देश्यों तथा चार साल की अवधि के दौरान छह लाख करोड़ रुपये का राजस्व एकत्र करने के मुख्य लक्ष्य के बारे देश को बताना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जिन संपत्तियों की पहचान एनएमपी के तहत की गई है, उनसे मौजूदा समय में भी कोई न कोई राजस्व

जरूर मिल रहा होगा। चिदंबरम ने सवाल किया, ''क्या सरकार ने मौजूदा राजस्व और चार साल की अवधि में मिलने वाले छह लाख करोड़ रुपये के राजस्व में अंतर का आकलन किया? अगर किया है तो फिर इन चार वर्षों में हर साल दोनों राजस्व में कितना अंतर होगा?'' उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी पार्टी ने सत्ता में रहते हुए, घाटे में चल रही संपत्तियों का मुद्रीकरण किया, जबकि नरेंद्र मोदी सरकार इसके उलट कर रही है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि कांग्रेस ने कभी सामरिक महत्व वाली संपत्तियों को नहीं बेचा। चिदंबरम ने जोर देकर कहा, ''हमने हमेशा सुनिश्चित किया कि किसी तरह का एकाधिकार नहीं होना चाहिए।''

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के अनुसार, सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि छह लाख करोड़ रुपये के राजस्व का उपयोग 2021–22 के दौरान 5.5 लाख करोड़ रुपये के राजकोषीय घाटे के संदर्भ में आंशिक रूप से नहीं होगा। उन्होंने सरकार से यह बताने का भी आग्रह किया कि एनएमपी के उद्देश्य क्या हैं और छह लाख करोड़ रुपये का राजस्व एकत्र करने का मुख्य लक्ष्य क्या है ? चिदंबरम ने सरकार के समक्ष 20 सवाल रखे और कहा कि सरकार को चिन्हित की गई संपत्तियों के उस मूल्य का खुलासा करना चाहिए जो एक अवधि के बाद सरकार के पास वापस जाएगा।

जनता के पैसे से बनी संपत्तियों को कौड़ियों के दाम बेच रही है मोदी सरकारः राजीव शुक्ला

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजीव शुक्ध्ला ने केंद्र सरकार की राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी) योजना की आलोचना करते हुए शुक्रवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार जनता के पैसे से बनी संपत्तियों को कौड़ियों के दाम बेच रही है। शुक्ला ने यहां हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा कि बीते 70 साल में तमाम केंद्र सरकारों ने जनता के पैसे से जो संपत्तियां बनाई थीं उन्हें 'यह भाजपा सरकार... मोदी सरकार किस तरह से कौड़ियों के दाम बेच रही है जबकि इन्हें बेचने का कोई अधिकार नहीं है।' उन्होंने कहा, ' ऐसे तमाम संस्थान व सार्वजनिक उपक्रम हैं जिनका काम सिर्फ सरकारें ही कर सकती हैं क्योंकि अगर वे निजी हाथों में चली गईं तो जनता का गहरा नुकसान हो जाएगा। ' इससे पहले जयपुर पहुंचने पर कांग्रेस के नेताओं ने शुक्ला का स्वागत किया।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण व पोषण जागरूकता कार्यक्रम का हुआ शुभारम्भ

अयोध्या। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को 5 दिवसीय प्रशिक्षण एवं पोषण जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन खाद्य विज्ञान एवं पोषण विभाग ,सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय एवं कृषि विज्ञान केंद्र मसौधा नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज के संयुक्त तत्वधान में मिल्कीपुर ब्लॉक के सभाकक्ष में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आचार्य नरेंद्र देव के कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। डॉ नमिता जोशी अधिष्ठाता सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के द्वारा बुके देकर मुख्य अतिथि का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। डॉ साधना सिंह, विभागाध्यक्ष खाद्य विज्ञान एवं पोषण विभाग ने कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में पहला दिवस शिशु के लिए, दूसरा दिन पूर्व स्कूली बच्चों, तीसरा दिन किशोरियों, चौथा दिन गर्भवती व धात्री महिलाओं एवं अंतिम दिन प्रौढ़ावस्था अवस्था से संबंधित जानकारी दी जाएगी।

इस मौके पर कुलपति ने कहा की संपूर्ण जनमानस की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए ही समाज से व्याप्त कुपोषण को दूर किया जा सकता है। डॉ सिंह ने कहा कि कार्यक्रम में विशेष रुप से महिलाओं को बुलाकर पोषण विषय पर उनको जानकारी उपलब्ध कराई जाए जिससे कि वह खानपान मे कुपोषण के कारण होने वाली बीमारियों से उनको बचाया जा सके ,तथा गर्भवती महिला एवं उससे पैदा होने वाले शिशु का 1000 दिन तक विशेष रुप से पोषण का ध्यान दिया जाना चाहिए। मां किस प्रकार का भोजन ग्रहण कर रही हैं, बच्चों को क्या खिलाती हैं, क्योंकि मां जिस प्रकार का भोजन ग्रहण करेगी उसी प्रकार का आहार उनके बच्चों को दूध के रूप में प्राप्त होगा।यथासंभव प्रयास किया जाना चाहिए कि मां के गर्भावस्था में उसके खानपान का विशेष रूप से ध्यान दिया जाय। महिलाओं को अपने खानपान में विशेष रूप से मोटे अनाजों का प्रयोग जरूर किया जाना चाहिए , जिसमें विशेष रूप से सावां, कोदो , टागून , मडुआ आदि ऐसी फसलें हैं जिनका भोजन के रूप में प्रयोग किए जाने से कुपोषण से बचा जा सकता है। विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार प्रोफेसर ए पी राव निदेशक द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्रो द्वारा महिलाओं के उत्थान में योगदान पर प्रकाश डालते हुए महिलाओं से अनुरोध किया गया कि वह अपने खान–पान में विशेष रूप से मोटे अनाजों वाले खाद्यान्न पदार्थों जैसे पत्तेदार सब्जियों एवं विभिन्न प्रकार के फलों का समावेश करें जिससे की माताएं स्वस्थ रहने की दशा में उनके शिशु भी स्वस्थ रहेंगे और कुपोषण के शिकार नहीं होंगें। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि इस मौके पर बाल विकास अधिकारी विवेक शाही द्वारा आंगनबाड़ी कर्मियों को पोषण से संबंधित विशेष रुप से जानकारी प्राप्त कराई गई और उन्हें नियमित रूप से प्रशिक्षण में उपस्थित रहकर इसका लाभ लेने हेतु निर्देशित किया गया। तकनीकी सत्र में विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक डॉ अर्चना सिंह ने जीवन के प्रथम 180 दिन का आहार, डॉ रशिम श्रीवास्तव द्वारा संपूरक आहार की उपयोगिता ,डॉ सरिता श्रीवास्तव द्वारा घरेलू स्तर पर संपूरक आहार बनाने का प्रशिक्षण दिया गया । इसके अतिरिक्त अतिथियों का स्वागत् डॉ नमिता जोशी अधिष्ठाता सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा किया गया। डॉ शशिकांत यादव वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष कृषि विज्ञान केंद्र मसौधा द्वारा आए हुए प्रशिक्षणार्थियों को राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अवसर पर कुपोषण से किस प्रकार से बचा जा सकता है, किस प्रकार से भोजन का प्रबंधन किया जाए इसके विषय में अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में कृषि विज्ञान केंद्र मसौधा की वैज्ञानिक डॉ अर्चना सिंह ने मुख्य अतिथि, आए हुए प्रशिक्षणार्थियों, अधिकारियों ,कर्मचारियों, पत्रकार बंधुओं तथा इस कार्यक्रम में जुड़े सभी लोगों को अपनी तरफ से आभार प्रकट किया।

विश्व हिन्दू परिषद स्थापना दिवस कार्यक्रम नगर प्रखण्ड बहराइच

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। जिला बहराइच के प्रखंड नगर बहराइच में शुक्रवार को विश्व हिंदू परिषद का 57वां स्थापना दिवस कार्यक्रम डालमिया धर्मशाला निकट–गांधी इंटर कॉलेज में मनाया गया,जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में क्षेत्र संगठन मंत्री गजेंद्र सिंह भाई साहब और विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रांत संगठन मंत्री राजेश जी भाई साहब एवं जिला अध्यक्ष तरुण कुमार सिंह का सानिध्य और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री विहिप् अंशुमान यज्ञसेनी जी ने किया एवं कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में गजेंद्र सिंह भाईसाहब ने हिंदू जन मानस के सभी मानक बिंदुओ पर प्रकाश डालते हुए एवं विश्व हिंदू परिषद संगठन के स्थापना के उद्देश्य को बताया कि हिंदू हित व राष्ट हित तथा सनातन धर्म की रक्षा के लिए विश्व हिंदू परिषद संगठन की स्थापना 29 अगस्त सन 1964 मुम्बई स्थित संदीपनी आश्रम में गोवलकर जी एवं स्वामी चिन्मयानंद जी की अध्यक्षता में सनातन धर्म के सभी धर्मगुरुओ की उपस्थिति में हुई थी तब से संगठन दृढ़ संकल्प लेकर सनातन धर्म की रक्षा के लिए व राष्ट्र की रक्षा हेतु निरंतर प्रयत्नशील है।कार्यक्रम में मुख्यरूप से प्रान्त सहसमरसता प्रमुख श्री राजकुमार सोनी जी,प्रान्त धर्म प्रसार प्रमुख श्यामता प्रसाद शुक्ल जी,जिला संरक्षक डॉ राकेश कुमार दुबे जी, दुर्गावाहिनी की बहनें एवं कार्यरत विभाग पदाधिकारी जिला पदाधिकारी एवं नगर प्रखंड के पदाधिकारी तथा हिन्दू समाज के तमाम बंधू उपस्थित रहे।

ब्लाक प्रमुख अंकुरसेन व इन्दूसेन ने करतलिया बाबा आश्रम में टेका माथा

अयोध्या। फैजाबाद की सियासत के भीष्म पितामह कहे जाने वाले पूर्व सांसद स्व मित्रसेन यादव की पुण्यतिथि के पहले उनके पौत्र नवनिर्वाचित हैरिटेनगंज ब्लाक प्रमुख अंकुरसेन यादव व पूर्व मंत्री आनंद सेन यादव की पत्नी जिला पंचायत सदस्य इन्दूसेन यादव रामनगरी के सिद्धपीठ करतलिया बाबा आश्रम में पहुंच कर समाजवादी पार्टी के एकमेव धर्माचार्य महंत बालयोगी रामदास महाराज का आशीर्वाद लिया। ब्लाक प्रमुख अंकुरसेन यादव व जिला पंचायत सदस्य इन्दूसेन यादव ने मंदिर में विधिवत दर्शन पूचन कर सूबे में समाजवादी सरकार बने इसके लिए भगवान के दरबार में हाजिरी भी लगाई। मंदिर के महंत बालयोगी रामदास ने आये हुए अतिथियों का स्वागत अंग वस्त्र भेंट कर किया। ब्लाक प्रमुख अंकुरसेन यादव ने कहा कि आज भगवान का पूजन किया साथ ही गुरुजी का आशीर्वाद मिला है। उन्होंने कहा कि वह पूरी ईमानदारी से अपना काम करके गरीबों मजलूमों की आवाज बनेंगे यही अपने दादा बाबू मित्रसेन यादव व पिता आनंद सेन से सीखा है। जिला पंचायत सदस्य इन्दूसेन यादव ने बालयोगी महंत रामदास का आशीर्वाद लेते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी सरकार बने जिससे सभी का कल्याण हो सके। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में चारों तरह लूट मची है। बहन बेटियां सुरक्षित नहीं है। बालयोगी रामदास ने कहा कि बाबू जी हमेशा करतलिया बाबा आश्रम आते थे इस मंदिर से उनकी बहुत सी यादें जुड़ी हुई है आज उनके पौत्र व बहु मंदिर में माथा टेका है। भगवान उनकी सारी मनोकामना पूरी करेंगे। उन्होंने कहा कि सूबे में समाजवादी सरकार ही विकास व कानून व्यवस्था कायम कर सकती है। बालयोगी ने कहा कि भाजपा सरकार जाति धर्म के नाम पर राजनीति करके लोगो को बाटने का काम करती है।

आरोग्य भारतीः समग्र स्वास्थ्य एवं आरोग्य पर हुई स्वास्थ्य संगोष्ठी

अयोध्या । आरोग्य भारती अवध प्रान्त द्वारा साकेतपुरी देवकाली स्थित साकेत निलयम सभागार में समग्र स्वास्थ्य एवं आरोग्य विषयक स्वास्थ्य संगोष्ठी एवं कोरोना की तीसरी लहर की आशंका की सावधानियों के अंतर्गत तैयारियों में माताओं की भूमिका विषय पर स्वास्थ्य संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि आयुष मंत्रालय भारत सरकार के सलाहकार एवं आरोग्य भारती के अखिल भारतीय सन्गठन मंत्री डॉ अशोक कुमार वार्ष्णेय, विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय संयोजक गोविंद, सह संयोजक डॉ संग्राम सिंह, अवध प्रान्त सन्गठन सचिव डॉ सुनील अग्रवाल, सह सचिव अनिलेश मुख्य वक्ता डॉ अनिल मिश्र, व अध्यक्ष डॉ चौतन्य द्वारा संयुक्त रूप से कार्यक्रम का शुभारम्भ भगवान धन्वंतरि के चित्र पर माल्यार्पण दीप प्रज्वलन एवं धन्वंतरि स्तवन से किया गया। एकल पुष्प व अंगवस्त्र से अतिथियों का स्वागत परिचय डॉ पंकज श्रीवास्तव ने कराया। डॉ संग्राम सिंह ने कहा आरोग्य भारती बीमारी होने के बाद उपचार की बजाय बचाव पक्ष की सावधानियों एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की जागरूकता पर कार्य करती है। मुख्य वक्ता श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र सदस्य डॉ अनिल मिश्र ने कहा व्यक्ति को पूर्ण रूप से तभी स्वस्थ कहा जा सकता है जब वह शारीरिक मानसिक सामाजिक व आध्यात्मिक रूप से संतुलित हो।डॉ अशोक वार्ष्णेय ने भारतीय स्वस्थ जीवनशैली से जुड़ी महत्वपूर्ण बातों के वैज्ञानिक पक्ष की व्यवहारिकता में उपयोगिता के उदाहरण देते हुए विपरीत आहार, मज्जन, मंजन, शाकाहार पर प्रकाश डालते हुए कहा समग्रता प्रकृति का सार्वभौमिक गुण है और भारतीय दर्शन का चिंतन भी, जो समस्त प्राणियों के निरामय की कामना करता है। डॉ चौतन्य ने आरोग्य के लिए स्वास्थ्य के सभी आयामो व चिकित्सा पद्धतियों के समन्वय के महत्व को रेखांकित किया। संचालन कर रहे आरोग्य भारती अवध प्रान्त के सहसचिव डा उपेन्द्रमणि त्रिपाठी ने कहा स्वयं में स्थित हुए व्यक्ति ही स्वस्थ चिंतन कर राष्ट्र निर्माण में योगदान कर सकता है ।

विधानसभा संयोजक आईटी सेल बनाये गएःअभिजीत गुप्ता ईशू

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा जे0पी0 प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह पटेल,जिला अध्यक्ष भाजपा बहराईच व केबिनेट मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा व विधानसभा संयोजक कैसरगंज गौरव वर्मा की संतुष्टि से आईटी सेल संयोजक विधानसभा कैसरगंज के पद पर अभिजीत गुप्ता ईशू को मनोनीत किया गया।छत्रसाल नगर जरवल के रहने वाले युवा नेता भाजपा अभिजीत गुप्ता ईशू काफी समय से भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता है।क्षेत्र में जमीनी व बूथ स्तर व शोसल मीडिया के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी की नीतियों को जन जन तक पहुचते रहे है ।ऐसे कार्यकर्ता को विधानसभा कैसरगंज का आईटी सेल संयोजक बनाये जाने से लोगों ने खुशी व्यक्त की है वरिष्ठ भाजपा नेता लोकतंत्र सेनानी प्रमोद गुप्ता ने अपने आवास भाजपा कार्यलय जरवल में कार्यक्रम आयोजित कर नव नियुक्त आईटी सेल संयोजक विधानसभा कैसरगंज अभिजीत गुप्ता को स्मृति चिन्ह देकर व मिठाई खिला कर नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दी। आईटी सेल विधानसभा संयोजक बनने पर अभिजीत गुप्ता ने पार्टी नेतृत्व का धन्यवाद करते हुए कहा जो जिम्मेदारी मुझे शीर्ष नेतृत्व द्वारा दी गयी है।उसको पूरी निष्ठा व लगन से पार्टी के प्रति समर्पित होकर अपने शोसल मीडिया के माध्यम से सरकार व पार्टी की जन कल्याणकारी नीतियों को बूथ स्तर तक पहुँचाऊँगा और आगामी विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित रहूंगा।

बेटियाँ देश का भविष्य, राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदानः आर.एन. यादव

घर बैठे खाता खुलवाने के लिए जारी हुआ फोन नम्बर, 14 अक्टूबर तक चलेगा अभियान

अयोध्या । मण्डल के सभी डाकघरों में "बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान के अन्तर्गत "समृद्धि सुकन्या– समृद्ध समाज" अभियान की शुरूआत रौनाही तथा भेलसर उपडाकघर में डाक कर्मियों को डोर टू डोर के लिए हरी झंडी दिखाकर मण्डल के प्रवर अधीक्षक डाकघर आर एन यादव ने किया । अभियान की शुरुआत के दौरान डाक कर्मियों ने घर घर जाकर ग्रामवासियों को सुकन्या समृद्धि खाता खुलवाने के लिए जागरूक भी कर रहे हैं । रौनाही डाकघर में "समृद्धि सुकन्या–समृद्ध समाज" अभियान की शुरूआत करते हुए श्री यादव ने कहा कि जब आज की बेटियाँ समृद्ध होंगी तभी होगा देश खुशहाल क्योंकि बेटियाँ देश का भविष्य है और राष्ट्र निर्माण में इनका महत्वपूर्ण योगदान है। भारत सरकार के अभियान 'बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ' के अन्तर्गत हम सभी लोगों का दायित्व है कि बेटियों के भविष्य को संवारने के लिए एक सार्थक कदम उठाएं। बेटियां ही 21 वीं सदी में हमारे देश का भविष्य हैं। साथ ही यह भी कहा कि भारत सरकार द्वारा नारी सशक्तिकरण की दिशा में तमाम महत्वपूर्ण योजनाएँ चलायी जा रही हैं। इसी क्रम में डाकघरों में सुकन्या समृद्धि योजना में धन जमा करने से माँ–बाप अपनी बेटी के भविष्य को संवारने में अहम भूमिका निभायेंगे। इससे बेटियों को आर्थिक व सामाजिक रूप से भविष्य में मजबूत किया जा सकता है कन्या भ्रूण हत्या रोकने, महिला सशक्तिकरण, उच्च शिक्षा में सुकन्या समृद्धि योजना राष्ट्र निर्माण में सहायक होगी। इस दौरान डाक निरीक्षक सिंकू रावत ने कहा कि डाकघर गरीब अमीर सभी वर्ग के साथ एक सामान व्यवहार करता है डाकघर में छोटी छोटी रकम जमा करके अधिक धन एकत्र किया जा सकता है डाकघर की सभी योजनाएं जनता के लिए लाभकारी हैं । मुख्य विपणन अधिकारी सत्येन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि "समृद्धि सुकन्या– समृद्ध समाज" अभियान का मुख्य उद्देश्य सभी बेटियों को आर्थिक मजबूती देना है । साथ ही यह भी बताया कि यदि कोई अविभावक डाकघर नही पहुंच सकता है उनके लिए 05278–222215, 9415140809 पर फोन व्हाट्सएप करके अपने घर बैठे खाता डाकिया के माध्यम से खाता खुलवाया जा सकता है। इस दौरान जयशंकर प्रसाद वर्मा, अम्बिका दुबे, पवन गुप्ता, रवि गुप्ता, बृजेन्द्र पाण्डेय शशि कला, साक्षी दीक्षित, शैव्या स्वाति, सरोज आदि मौजूद रहे।

मीटिंग समाप्त होने के बाद दलित महिला ने गांव के ही युवक पर छेड़छाड़ करने का आरोप

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हरदोई। यूपी सरकार द्वारा महिला की सुरक्षा को लेकर अनेक अभियान चलाएं और प्रशासन को सख्त हिदायत देने के बावजूद भी छेड़छाड़ व मनचलो के हौसले बुलंद हैं आपको बताते चलें कि ऐसा ही प्रकरण ग्राम बेहतार थाना कासिमपुर का है। और स्वयं सहायता समूह चला रही महिला के साथ मनचले युवक ने सरेआम पकड़ कर छेड़छाड़ कर दी और अश्लील हरकतें करने लगा। महिला सन्न रह गई। और ग्राम प्रधान ने। फोन पर पंचायत भवन में महिला सशक्तिकरण की बैठक के तहत मीटिंग बुलाई गई थी। महिला अध्यक्ष पद पर कार्य कर रही हैं। उसी बीच मीटिंग समाप्त होने के बाद गांव के निवासी घंटी सिंह उर्फ विजेंद्र सिंह पुत्र स्व रघुराज सिंह ने पीछे से पकड़ कर छेड़छाड़ करने लगा फिर महिला शोर मचाने पर हाल से बाहर निकल आई बाहर बैठी महिला कांस्टेबल मनचले को हिरासत में लेकर गौसगंज चौकी में लाकर बंद कर दिया। थोड़ी देर बाद पैरबकार ग्राम प्रधान पति अर्जुन सिंह के द्वारा मनचले युवक को पुलिस से सांठगांठ कर छुड़वा कर घर ले आया। और घर आते महिला को भद्दी भद्दी गालियां देता रहा ।फिर पीड़ित महिला थाना कोतवाली पहुंचकर शिकायत की लेकिन उस महिला की सुनवाही नही हुई ।ब्रहस्पतिवार को पुलिस अधीक्षक हरदोई के यहां न्याय के लिए फरियाद लेकर आई है। अब देखना यह होगा कि पीड़ित महिला को न्यायोचित कार्यवाही होती हैं या फिर दर दर भटकी रहेगी ।

हाईकोर्ट के शासकीय अधिवक्ता के मकान पर भू–माफियाओं का कब्जा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हरदोई। हाईकोर्ट के शासकीय अधिवक्ता प्रतीक प्रताप सिंह के हरदोई शहर में स्थित मकान पर भू–माफियाओं ने कब्जा कर रखा है,, जिसके लिए उन्होंने पुलिस अधीक्षक अजय कुमार से मिलकर प्रार्थना पत्र दिया,, तो पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने उन्हें निष्पक्ष कार्यवाही का आश्वासन दिया है,, अधिवक्ता प्रताप सिंह का कहना है कि उनके पिताजी की बीमारी का फायदा उठाकर उनके रिश्तेदार जो कि मकान में किराएदार थे,, उन्होंने अवैध रूप से मकान कब्जा कर रखा है,, तथा शासन–प्रशासन को गुमराह कर रहे हैं,, जबकि इस मामले में किसी भी न्यायालय में कोई भी मुकदमा विचाराधीन नहीं है,, उन्होंने पुलिस अधीक्षक से आश्वासन मिलने पर कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि उन्हें अब न्याय मिलेगा। प्रतीक प्रताप सिंह लखनऊ हाई कोर्ट में केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण में भारत सरकार के अधिवक्ता हैं,, उनका एक मकान हरदोई शहर के मोहल्ला बहरा सौदागर में स्थित है,, जिस पर उनके रिश्तेदार अंबुज प्रताप सिंह व ऐश्वर्य प्रताप सिंह ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है,, प्रतीक प्रताप सिंह के अनुसार जब भी वह मकान खाली कराने के लिए जिला प्रशासन को प्रार्थना पत्र देते हैं तो राजनैतिक संरक्षण व तहसील कर्मियों की मिलीभगत से फर्जी आदेशों की आख्या लगा कर मामले को ठंडा कर दिया जाता है,, उन्होंने कहा कि पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने आज उनकी बात विस्तृत रूप से सुनी है व उनके पिता की रजिस्टर्ड वसीयत के अनुसार उन्हें न्याय दिलाने का पूरा भरोसा दिया है। पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने बताया कि अधिवक्ता द्वारा प्रार्थना पत्र दिया गया है,, जिसे उन्होंने विस्तार पूर्वक सुना है व उनके पिता की रजिस्टर्ड वसीयत के अनुसार उनको न्याय दिलाया जाएगा,, इसके लिए सीओ सिटी व प्रभारी निरीक्षक कोतवाली शहर को जांच दी गई है,, जांच रिपोर्ट मिलने के बाद न्यायोचित कार्यवाही की जाएगी।

काशी विद्यापीठ व फतेहपुर के सह प्रभारी बनाये गये शुभम शुक्ला'

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। छात्रों के हितों के लिए कार्य करने वाली, भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के प्रदेश सचिव शुभम को काशी विद्यापीठ वाराणसी एवं फतेहपुर का संगठन द्वारा सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। आपको बताते चलें कि शुभम शुक्ला ने छैन्प् के जिला उपाध्यक्ष पद से अपनी नई राजनीति पारी की शुरूआत की और उनके अच्छे कार्यों को देखते हुए संगठन द्वारा कुछ ही महिनों में प्रदेश सचिव बना दिए गए। वही हाल ही में जनपद के ओबरा डिग्री कॉलेज के छात्रसंघ चुनाव में उन्होने चाणक्य की भूमिका निभाई। उनकी कार्यकुशलता को देख हुए संगठन के शीर्ष नेतृत्व द्वारा वाराणसी काशी विद्यापीठ व फतेहपुर सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। जिससे की उनके समर्थकों में खुशी जाहिर करते हुए कहा कि शुभम् शुक्ल बहुत ही सौम्य, गम्भीर व मृदुल व्यक्तित्व के साथ साथ अपने कार्यो व दायित्वों के प्रति संवेदनशील है।

डीएम के कुशल निर्देशन में वृद्धजनों को मिल रहा योजनाओं का लाभ, खातों में पहुंच रही त्रैमासिक किश्त

उन्नाव। सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के अन्तर्गत 4.56 लाख नवीन लाभार्थियों सहित 55.77 लाख लाभार्थियों को रूपये 836.55 करोड़ का ऑनलाइन हस्तांतरण एवं लाभार्थियों से संवाद कार्यक्रम किया गया। जिसमें समस्त लाभार्थियों के खाते में 1500–1500 रूपये प्रथम त्रैमासिक किश्त के रूप में ऑनलाइन हस्तांतरण किया गया। जनपद के एन0आई0सी0 कक्ष में डीएम रवीन्द्र कुमार द्वारा ऑनलाइन कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया। डीएम रवींद्र कुमार ने समस्त वृद्धजनों से वार्ता कर उनका हाल जाना तथा उनसे पूछा कि शासन द्वारा संचालित कोई ऐसी योजना तो नही हैं जिसका लाभ आप तक नही पहुंच पा रहा हो। जिस भी वृद्धजन द्वारा कोई भी समस्या बताई गयी उस पर डीएम तत्काल संज्ञान लेते हुये उन्हें योजना का लाभ प्राप्त कराया। उन्होंने समस्त वृद्धजनों से पूछा आप सभी को राशन मिलता है या नहीं कोटेदार द्वारा पैसे की मांग तो नहीं की जाती है। उन्होंने पूछा कोई ऐसा व्यक्ति तो नही है जिसे प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना सहित अन्य समस्त कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है अथवा नही किसी को कोई समस्या तो नहीं है। उन्होंने कहा जनपद में सरकार की समस्त योजनाओं का लाभ प्रत्येक जरूरत मन्द को प्राप्त होता है तथा जिला प्रशासन द्वारा निरन्तर यही प्रयास किया जा रहा है कि प्रत्येक जरूरत मन्द को समस्त योजनाओं का लाभ हमेशा ससमय मिलता रहे। इस दौरान अंगनू, पुत्र राम गुलाम, बस्ती खेड़ा ओरहर, विकास खण्ड बिछिया, द्वारा डीएम को जानकारी दी गई कि उनके पास शौचालय नहीं है जिस पर डीएम ने सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी से दूरभाष पर वार्ता कर तत्काल अंगनू को शौचालय उपलब्ध करवाने के निर्देश दिये। उन्होंने वहां उपस्थित समस्त वृद्धजनों को बधाईध्शुभकामनायें देते हुये सभी के स्वस्थ जीवन की कामना करते हुये कहा कि शासन द्वारा संचालित समस्त योजनाओं का लाभ आप सभी तक पहुंचे यही हमारा प्रयास है। उक्त कार्यक्रम में डीएम रवीन्द्र कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी नीलम सिंह, समस्त पात्र लाभार्थी सहित समस्त सम्बन्धित उपस्थित रहे।

भिड़यारी पुल से युवक ने सरयू में लगाई छलांग 20 घण्टे बाद एनडीआरएफ की मदद से बरामद हुआ शव

दैनिक बुद्ध का सन्देश

कैसरगंज/बहराइच जनपद के हुजूरपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत भिड़यारी पुल पर विश्वनाथ पुत्र रजपाल निवासी मधनगरा नामक युवक के डूबने के बाद आसपास के लोगों सहित परिजनों में एकाएक कोहराम मच गया। जिसकी सूचना मिलते ही सम्बन्धित थाना हुजूरपुर की पुलिस व क्षेत्राधिकारी कैसरगंज कमलेश कुमार सिंह की उपस्थिति में देर रात तक खोजबीन होती रही जिसके बाद भी शव का पता नही चल सका।जिसके बाद लगातार स्थानीय थाना हुजूरपुर की पुलिस की टीम शामिल शिव कुमार चौहान व रणवीर यादव लगातार घटना स्थल पर तैनात रहे।और लगातार स्थानीय केवट व गोताखोरों के द्वारा तलाश जारी रही जिसके बाद तत्वारित कार्यवाही करते हुए घाघराघाट नदी से बुलाये गये गोताखोरों की टीम की काफी खोजबीन के बाद गोताखोरों में शामिल स्थानीय गोताखोर राधे पुत्र शिव प्रसाद निवासी भिडयारी थाना हुजूरपुर के हाथ से शव को लगभग 20 घंटे बाद ढूंढ निकाला गया।जिसके बाद मौके पर मौजूद एनडीआरएफ टीम के कमांडर सुरेश कुमार की मौजूदगी में एनडीआरएफ टीम की मदद से उपरोक्त सरयू नदी से डूबे हुये युवक का शव बाहर निकाल कर रोड पर लाया गया।जिसके बाद हुजूरपुर थाने से पहुंचे उप निरीक्षक अनूप मणि त्रिपाठी ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरवा कर पोस्टमार्टम हाउस बहराइच अत्यंत प्रशिक्षण के लिए भेज दिया है।

जल भराव की समस्या को लेकर महिलाएं ईओ से मिलीं

शिकोहाबाद । मेलावाला बाग में बंद कॉलोनी वाली सड़क नीची होने के कारण उस पर जलभराव रहता है। जिससे गली में रहने वाले लगभग एक दर्जन परिवारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जल भराव की समस्या को लेकर बृहस्पतिवार को गली की महिलाएं नगर पालिका पहुंची और ईओ को प्रार्थना पत्र देकर गली निर्माण की मांग की।

मेलावाला बाग निवासी महिलाओं का एक प्रतिनिधि मडंल पालिका पहुंचा। प्रतिनिधि मंडल ने अधिशाषी अधिकारी अवधेश कुमार को एक ज्ञापन सौंपा। जिसके माध्यम से महिलाओं ने गली निर्माण की मांग की। महिलाओं ने अपनी वेदना को पालिका के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि मोहल्ले में सभी गलियां पक्की हैं, केवल उनकी गली कच्ची और नीची है।

जिसकी बजह से पूरे मोहल्ले का पानी उनकी गली में भर जाता है। गली में नाली भी नहीं बनी हैं, जिससे घरों का पानी भी सड़क पर भरा रहता है। उन्होंने अधिशाषी अधिकारी से गली निर्माण कराये जाने की मांग की। इस पर ईओ ने महिलाओं को आश्वस्वासन दिया कि तीन माह के भीतर उनकी सड़क बनवा दी जाएगी। इस दौरान उन्होंने ग्रांट में हुई कटौती की बात भी कही। उन्होंने कहा कि जैसे ही पैसा आएगा, सड़क का निर्माण करा दिया जायेगा। प्रतिनिधि मंडल में अवनीश देवी, मनोज देवी, सुमन देवी, विमलेश देवी, मंजूदेवी, सुमन देवी, मीना देवी आदि मौजूद रहीं।

योगी आदित्यनाथ बहराइच के राजीव चौराहा पहुंचे,देखा हाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। शुक्रवार को करीब दोपहर 2:00 बजे राजीव चौराहा पहुंचकर पहले आसपास के बाढ़ क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। और योगी आदित्यनाथ द्वारा आसपास के क्षेत्रों के लोगों को राहत सामग्री देकर उन्हें संबोधित किया।

योगी आदित्यनाथ द्वारा बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत सामग्री देने के बाद बाढ़ से प्रभावित लोगों के चेहरे खिल उठे और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बाढ़ से प्रभावित लोगों द्वारा ने धन्यवाद कहा।

सभी को मिले सुविधाएं मुख्यमंत्री आदित्यनाथ की सोचःसांसद जगदंबिका पाल

राजेश शर्मा / दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। पूर्वांचल जहां बाढ़ के चपेट में है वही जनपद सिद्धार्थनगर भी इससे अछूता नहीं है चारों तरफ बाढ़ के कारण लोग परेशान हैं लेकिन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जहां लगातार हर जनपदों में जाकर बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रो का दौरा कर रहे हैं वही किसी को भी असुविधा ना हो इस भावना के साथ पूरे प्रशासन को लगा के रखा है यह बातें डुमरियागंज के सांसद जगदंबिका पाल ने कही उन्होंने कहा कि जनपद सिद्धार्थनगर में जहां मुख्यमंत्री बनने के बाद योगी आदित्यनाथ लगातार आ रहे हैं वहीं हर व्यक्ति को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा ना हो इसका पूरा ध्यान दे रहे हैं बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रो में जहां पहले प्रदेश के मंत्रियों को भेजकर राहत सामग्री का वितरण करवाया वहीं स्वयं भी स्थलीय निरीक्षण कर शासन और प्रशासन को पूरी मुस्तैदी के साथ बाढ़ ग्रस्त एरिया में जाकर सारी सुविधाएं देने का निर्देश दिया है आपको बता दें कि कुछ पहले ही कैबिनेट मंत्री भी जनपद में आए हुए थे जनपद में लगातार बेसिक शिक्षा मंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री भी बाढ़ ग्रस्त एरिया में जाकर स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा ले रहे हैं सांसद जगदंबिका पाल जहां लोक सेवा समिति के सदस्यों के साथ जम्मू एवं कश्मीर में कार्यक्रमों में भाग ले रहे थे वही लगातार 3 दिनों तक आकर बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रो में स्वयं जाकर राहत, राशन, चिकित्सा का वितरण कर लोगों की समस्याओं का समाधान कर रहे है। सांसद जगदंबिका पाल के बारे में यह कहा जाए तो एक पैर दिल्ली और एक पैर सिद्धार्थनगर में है तो गलत नहीं होगा जनपद के हर व्यक्ति के सुविधाओं के लिए हमेशा चिंतित रहने वाले सांसद जगदंबिका पाल लगातार अपने विधानसभा प्रतिनिधियों से क्षेत्रों का हाल चाल लेते नजर आ रहे हैं जहां भी सुविधाओं नहीं पहुंच पा रही हैं व्यक्तिगत पहुंचकर सुविधाएं देने का काम कर रहे हैं सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि पूर्वांचल में आए हुए इस बार की स्थिति में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार नजर रखे हुए हैं हर व्यक्ति को सुविधाएं मिले इसका खास ध्यान दिया जा रहा है।

एस.डी.एम. के साथ एन.डी.आर.एफ. टीम ने बाढ़ प्रभावित तटबन्धों का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। अभी भी बाढ़ की चपेट में जनपद के कई गाँव

है। गांवों के चारों ओर जल निकासी न होने से वहां के लोगों का जीवन अस्त व्यस्त है। जिलाधिकारी दीपक मीणा के निर्देश पर एन०डी०आर०एफ० टीमों को तैनात किया गया है। जिले की एन०डी०आर०एफ० टीम ने जिले के प्रत्येक तहसील के संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील क्षेत्रों का जायजा लेना शुरू कर दिया है। शुक्रवार को उप जिलाधिकारी जग प्रवेश (आईएएस) व प्रशासन के अन्य कार्मिकों के साथ एन०डी०आर०एफ० टीम ने बोट द्वारा बांसी तहसील अंतर्गत राप्ती नदी के समीपवर्ती गांव मियां जोत, गोथवा, मझवन कला, मऊ, मैचुक, गधवा घाट, गदरैया, महूनवा, हड्डा आदि गांवों का दौरा कर वहाँ की स्तिथि का जायाजा लिया। व बाढ़ से होने वाले सम्भावित समस्याओं के बारे में जानकारी दी। इस दौरान तहसीलदार सदर, आपदा सलाहकार, लेखपाल व अन्य प्रशासनिक कर्मचारी उपस्थित रहे।

शाही फैजान खान बने भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हाटा/कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी में पदाधिकारियों और सदस्यों के नवगठित प्रक्रिया के क्रम में नगर पालिका परिषद हाटा वार्ड नं 23 बाजार खघस के रहने वाले शाही फैजान खान को भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा का जिलाध्यक्ष बनाया गया है। भाजपा द्वारा जिलाध्यक्ष की घोषणा के बाद शाही फैजान खान को बधाई देने वालों का तांता लग गया। शाही फैजान खान लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव में विशेष कार्यकर्ता के रूप में भारतीय जनता पार्टी में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए योगदान देते रहे हैं।शाही फैजान खान ने कहा है कि भाजपा द्वारा जो भी पद मुझे दिया गया है।मैं उस पद का सम्मान करते हुए पार्टी के नीतियों को आम जनमानस तक पहुचाने का कार्य करूँगा ।ताकि पार्टी को और मजबूती मिल सके, जिससे आने वाले आगामी विधानसभा चुनाव 2022 में पार्टी की जीत सुनिश्चित हो,साथ ही उन्होंने पार्टी के पदाधिकारियों सहित अपने शुभचिंतकों का भी आभार व्यक्त किया है। बधाई देने वालों में सांसद कुशीनगर विजय दूबे, जिलाध्यक्ष प्रेमचंद मिश्रा, पूर्व जिलाध्यक्ष जयप्रकाश शाही, विधायक हाटा पवन केडिया, नपा.अध्यक्ष हाटा मोहन वर्मा, मण्डल अध्यक्ष हाटा उदयभान कुशवाहा, ऋतेश नथानी,क्षेत्रीय सदस्य कमालुद्दीन खान ,मनीष रूंगटा ,सुबास सिंह,मनोनीत सभासद मुंशी सिंह,सभासद हामिद अंसारी,तौफीक खान,मारूफ खान,जमशेद आलम बेंग,अरमान खान सहित तमाम भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बधाई दी

दस लाख नौजवानों सरकारी नौकरी का तोहफा देगी सपा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। समाजवादी पार्टी की प्रदेश में सरकार बनने पर पहली कैबिनेट बैठक में राष्टीय अध्यक्ष अखिलेश यादव दस लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी का तोहफा देंगे। इसके लिए समाजवादी लोहिया वाहिनी के सभी पदाधिकारी अपने अपने बूथों को मजबूत करने के लिए अधिक से अधिक नौजवानों को पार्टी से जोड़ने का काम करें।यह बांते लोहिया वाहिनी के प्रदेश उपाध्यक्ष मन्नू पांडेय ने कहीं। वह शुक्रवार को सपा के जिला कार्यालय पर लोहिया वाहिनी जिला इकाई की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सपा सरकार ने अपने शासन काल में जितने जनहित के काम किए थे। उसका पांच फीसदी काम भाजपा नहीं कर पायी है। लाखों नौजवानों को लैपटॉप दिया था। जिससे वह आज रोजगार कर रहे हैं। भाजपा सरकार नौकरियों को खत्म करके बेरोजगार बनाने काम किया है। हिन्दू मुस्लिम करके यह सरकार सत्ता में आयी है। इसी कारण इसका विकास, किसान, छात्र, महिला, दलित, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग से कोई सरोकार नहीं रह गया है। प्रदेश का 65 फीसदी नौजवान भाजपा सरकार से बदला लेने के लिए सूबे में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने जा रहीं हैं। प्रदेश सचिव लोहिया वाहिनी दिबांशु श्रीवास्तव ने कहा कि सपा की सरकार बनने पर घरेलू बिजली के 300 यूनिट बिजली बिल मुफ्त होगा। इसके साथ 1500 प्रति माह पेंशन दिया जाएगा। लोहिया वाहिनी के सिपाही बूथों पर जाए जितने लोगो के नाम मतदाता सूची में नहीं जुड़े हैं। उसे जुड़वाने का काम करें। बैठक की अध्यक्षता लोहिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष जय प्रताप यादव व संचालन महा सचिव अजय चौरसिया ने किया। कामता यादव, अजय यादव, सुरेश चंद्र यादव, विभा शुक्ला, सुभांगी भारत, चमन आरा राइनी, एसके मेंहदी, खुर्शीद अहमद, शकील शाह, अनूप त्रिपाठी, सयुस जिलाध्यक्ष अंबिकेश श्रीवास्तव, विजय यादव, मोहम्मद जावेद, राकेश दुबे, अनिल यादव, संजय यादव, प्रधान राम सेवक लोधी, शशांक त्रिपाठी आदि ने संबोधित किया। अमरेंद्र पांडेय, अमित यादव, दीपक, अजय, हैदर, इरफान, , किशन, विनय, नागेंद्र, सुनील, आशीष, अमरेश, रियाज आदि मौजूद रहे।

सीमा चौकी लोहटी बॉर्डर पर उर्वरक के साथ 1 गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। सीमा चौकी लोहटी के जवानों ने

सीमा स्तम्भ संख्या 562ध्1(62) के पास भारत–नेपाल सीमा पर अवैध रूप से साइकिल द्वारा भारत से नेपाल उर्वरक की तस्करी करते हुये गिरफ्तार किया है, जिसकी कुल मात्रा 405किग्रा० बताई गई। जब्त किए गए उर्वरक के साथ तस्कर को सीमा शुल्क कार्यालय बढ़नी को अग्रिम कार्यवाही हेतु सुपुर्द कर दिया गया। तस्कर जिसका नाम रामविलास केवट, उम्र 48 वर्ष पुत्र सुन्नर केवट निवासी– गहोड़ा, थाना– महराजगंज, जिला– कपिलवस्तु (नेपाल) बताया गया। इस दौरान एसएसबी के मनोज सिंह, सतेंद्र कुशवाहा, अनिल आदि शामिल रहे।

सेमरा से बेलौहा मार्ग बेहद खराब होने से लगातार फस रही वाहन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बाँसी/सिद्धार्थनगर। विकासखंड खेसरहा के अंतर्गत आने वाला सेमरा से बेलौहा मार्ग की हालत बदहाल हो गयी है। स्वास्थ्य मंत्री के निजी क्षेत्र में ब्लाक खेसरहा से जो सेमरा बाँसी मार्ग को जोड़ने का कार्य करता है उसकी हालत इतनी खराब है कि आवागमन में सभी लोगों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है यह एक ऐसा रोड़ है जो लगभग 50 गांव को जोड़ता है एवं ब्लॉक, सामूहिक स्वास्थ्य केंद्र तथा थाना के लिए भी जाता है इस रोड की हालत इतनी खराब है कि आए दिन कहीं ना कहीं कोई घटना होती ही रहती है कहीं मोटरसाइकिल चालक किसी गड्ढे में फस जाने के कारण गिर जाते हैं या कहीं कोई गाड़ियां बस जाती हैं और थोड़ी सी ही बारिश होने में जो छोटे छोटे गड्ढे हैं उसमें पानी भरने के कारण पता नहीं चलता है रोड कहां पर गड्ढा है और कहां पर नहीं इसी प्रकार आज देखने को मिला पचमोहनी के पास जहां पर एक डीसीएम जा रहा था और वह भारी गड्ढे में फस गया जिसस आने–जाने व्यक्तियों का आवागमन ठप हो गया । कत्थक प्रयास करने पर नहीं निकला डीसीएम फिर जाकर ट्रैक्टर की मदद से निकालने की कोशिश की गई लेकिन पहिया धंसने की वजह से डीसीएम ने हिलने का नाम नहीं लिया डीसीएम चालक ने हार मान कर दो ट्रैक्टरों का इंतजाम किया और लगभग 4 घंटे की अथक प्रयास के बाद डीसीएम निकल पायी। जहां सभी विधायक या मंत्री रोड पर गड्ढा ना रहने का डूगी पीट रहे हैं क्या वही किसी मंत्री का ध्यान नहीं जा रहा यह रास्ता कितना मूल्य है और कितना खराब हो चुका है।

भनवापुर बाढ़ पीड़ितों का हर संभव मदद करेगी सरकारः गौरव मिश्रा

अपने पैत्रिक गांव फत्तेपुर पहुंच कर जाना बाढ़ पीड़ितों का हाल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को भाजपा युवा मोर्चा के

जिलाध्यक्ष गौरव मिश्रा बाढ़ प्रभावित अपने पैत्रिक गांव फत्तेपुर पंहुचे जहां लोंगो के समास्याओं को देख कर हर संभव मदद का आश्वासन दिया।इस दौरान उन्होने कहा कि बाढ़ से हुए फसलों के नुकसान का लेखपाल के द्वारा सर्वे करा कर जल्द मुआवजा दिलाया जाएगा,साथ ही अति वृष्टि तथा बाढ़ से गिरे घरों के लिए दैविय आपदा से आवास योजना का भी लाभ दिलाया जाएगा।इस दौरान गौरव सोनी,बॉबी पांण्डेय,रिंकू मिश्रा,सौरभ मिश्रा,अनुराग पाठक,आदि लोग मौजूद रहे।

मजबूत बूथ के सहारे ही आगामी विधानसभा चुनाव मिशन 2022 फतह करेंगे : अशोक कुमार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हाटा/कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की ओर से सत्यापन अधिकारी तैनात कर बूथों के कराए जा रहे सत्यापन से ही जीत की राह खुलेंगे, मजबूत बूथ के सहारे ही आगामी विधानसभा चुनाव मिशन 2022 फतह करेंगे, उक्त बातें सत्यापन के दौरान सत्यापन अधिकारी व भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला कार्यसमिति सदस्य अशोक कुमार ने कहीं वह पिडरा शक्ति केंद्र पर बूथ सत्यापन के बाद समिति के सदस्यों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के दम पर आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है।भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है। इसमें काबिलियत की दम पर कार्यकर्ता कोई भी पद प्राप्त कर सकता है। केंद्र सरकार व प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव समाज के सभी वर्गों के लोगों को मिल रहा है। कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर सरकार की उपलब्धियों को रखें, भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला कार्यसमिति सदस्य अशोक कुमार पत्रकार के सत्यापन के दौरान पिडरा शक्ति केंद्र पर भाजपा मंडल मंत्री सुकरौली गुड्डू प्रजापति, बूथ अध्यक्ष मोटू निषाद,वीरेन्द्र निषाद,सुबास पाण्डेय,अजय मल्ल व रूदल चौहान आदि मौजूद रहे।

सतीश द्विवेदीने किया पचमोहनी शक्ति केंद्र के गांव का दौरा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

खुनियांव। विधानसभा इटावा के विकासखंड खुनियांव के अंतर्गत पचमोहनी शक्ति केंद्र के विभिन्न गांवों का पचमोहनी, मटेश्वर नानकार , तिघरा, पेंदानान कार, महुआ पाठक, खुरुहूर्बन्दी आदि गांवों का इटवा के विधायक व बेसिक शिक्षा मंत्री सतीश द्विवेदी द्वारा दौरा किया और लोगों से उनका हालचाल पूछा बाढ़ से हो रही जनता को परेशानियों को देखा और एसडीएम इटावा उत्कर्ष श्रीवास्तव जो साथ में थे उनको निर्देशित किया साथ में प्रेम प्रकाश त्रिपाठी सेक्टर संयोजक , अशोक पाठक पुनिया मंडल अध्यक्ष आलोक पाठक, शिवा गौतम आलोक पांडे बाल सिंह अन्नूसिंह सिराज अहमद आदि लोग मौजूद रहे।

नाले में मिला वृद्ध महिला का शव

दैनिक बुद्ध का सन्देश

कपिलवस्तु/सिद्धार्थनगर। चिल्हिया थाना क्षेत्र के सूर्यकुड़िया के पश्चिम नाले में एक व्यक्ति का शव मिला है। उम्र करीब 65 वर्ष है। जिसकी पहचान नही हो पा रही थी, चौकी प्रभारी पल्टा देवी तरुण कुमार शुक्ल मृतिका की पहचान कराने में जुटे रहे। सात घंटे बाद उसकी की पहचान दुर्गावती पत्नी राम लखन साहनी निवासनी बर्डपुर न0 नौ टोला हरनामपुर कोतवाली कपिलवस्तु के रूप में हुई पुलिस ने अग्रिम कार्यवाही करते हुए शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है

बाढ़ के चलते भटक कर आया हिरन का बच्चा, ग्रामीणों ने पकड़ा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोला/गोरखपुर। क्षेत्र के क्षेत्र के ग्राम पंचायत राजगढ़ के राजस्व गांव अहिरौली में आज सुबह भटकता हुआ एक हिरन का बच्चा आ गया जिसे ग्रामीणों ने पकड़ कर वन विभाग को सौप दिया। अहिरौली गांव में सुबह ही हिरन के बच्चे को देख गांव के कुछ आवारा कुत्ते उसे दौड़ा रहे थे। कि तभी टहलने निकले गांव के गुड्डू सिंह और हरेन्द्र की नजर हिरन के बच्चे के ऊपर पड़ी। इन दोनों लोगों ने इतने छोटे बच्चे के सर पर लम्बी सिंग देख अनुमान लगाया कि यह हिरन का बच्चा होगा।

इन लोगों ने गांव के कुछ लड़कों के साथ मिलकर हिरन के बच्चे को पकड़ कर अपने घर बाध दिए। और वन विभाग को सूचित किया।तत्काल मौके पर पहुची वन विभाग की टीम ने हिरन के बच्चे को अपने कब्जे में लेकर गई और ग्रामीणों के इस काम के लिए धन्यवाद दिया।वन विभाग के तरफ से यहां रामनिवास और राम भुआल आए हुए थे।

सम्पादकीय

उन्होंने भारतीय पैरालंपिक खिलाड़ियों में सोना जीतने की भूख भी जगायी है। बड़ी बात है कि दो दशक तक कोई खिलाड़ी लगातार पैरालंपिक में सोना–चांदी जीतता रहे। इसके अलावा हरियाणा के ही एक लाल योगेश कथूनिया के डिस्कस थ्रो में रजत पदक, ऊंची कूद में रजत ...

दमकते दिव्यांग

टोक्यो में चल रहे पैरालंपिक में भारतीय खिलाडियों की स्वर्णिम सफलता निस्संदेह प्रेरणादायक है। इस मायने में भी कि कुदरत व हालात के दंश झेलते हुए उनका मनोबल कितना ऊंचा था कि उन्होंने मानव जीवन की सर्वोत्कृष्ट अभिव्यक्ति खेल में कितनी कामयाबी हासिल की। सामान्य ओलंपिक खेलों में भी कभी ऐसा नहीं हुआ कि एक ही दिन में पांच पदक हमें हासिल हुए हैं। सबसे महत्वपूर्ण यह कि इसमें दो स्वर्ण पदक भी शामिल हैं। सचमुच पैरालंपिक में हमारे खिलाडियों ने नया इतिहास लिखा है। उनका प्रदर्शन हर सामान्य व्यक्ति के लिये भी प्रेरणा की मिसाल है कि जज्बा हो तो जीवन में कुछ भी हासिल किया जा सकता है। अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं में भी शिखर की ऊंचाई हासिल की जा सकती है। दरअसल, ये खिलाड़ी दो मोर्चों पर संघर्ष कर रहे थे। एक तो अपने शरीर व सिस्टम की अपूर्णता के विरुद्ध और दूसरे दुनिया के अपने जैसे लोगों के साथ खेल स्पर्धा में। दरअसल, हम आज भी उस स्तर तक नहीं पहुंचे हैं जहां दिव्यांगों को समाज सहजता से स्वीकार करता है। उन्हें समाज के तानों से लेकर अपनों का तिरस्कार भी झेलना पड़ता है। उन्हें तरह–तरह के नकारात्मक संबोधन से पुकारा जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने दिव्यांग शब्द देकर उन्हें जरूर गरिमा का संबोधन दिया है। वैसे देश में दिव्यांगों के जीवन के अनुकूल परिस्थितियां विकसित नहीं की जा सकी हैं। खेल के लिये अनुकूल हालात तो दूर की बात है। निश्चय ही ये खिलाड़ी इस मुकाम तक पहुंचे हैं तो इसमें उनके परिवार का त्याग व तपस्या भी शामिल है। ऐसे स्वर्णिम क्षणों में देश के प्रधानमंत्री का फोन पर इन खिलाडियों का मनोबल बढ़ाना इन प्रतिभाओं को जीवन का अविस्मरणीय अहसास दे जाता है। जो उन जैसे तमाम खिलाडियों को भी एक प्रेरणा देगा कि वे जीवन में कुछ ऐसा कर सकते हैं कि जिस पर देश का प्रधानमंत्री भी गर्व कर सकता है। यह अच्छी बात है कि देश की मुख्यधारा के मीडिया ने इन खिलाडियों के उत्साहवर्धन में कोई कोर–कसर नहीं छोड़ी। निस्संदेह, इस मुश्किल हालात में इन खिलाडियों की उपलब्धियां स्तुति योग्य हैं। हम न भूलें कि देश–दुनिया पिछले डेढ़ साल से कोरोना संकट से जूझ रही है। इन खिलाडियों को मुश्किल हालात में इस मुकाम तक पहुंचने के लिये अभ्यास करना पड़ा है। उन्नीस वर्षीय अवनि पहली महिला हैं, जिसने पैरालंपिक की इस स्पध ार्ा में स्वर्ण पदक जीता। वहीं हरियाणा के लाल सुमित अंतिल ने भी भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर नया इतिहास रच दिया। अपना रिकॉर्ड भी तोड़ा और विश्व रिकॉर्ड भी। पहले ओलंपिक में हरियाणा के नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण पदक जीता था, अब सुमित की उपलब्धियों पर पूरे देश को गर्व है। ऐसा लग रहा कि हरियाणा भाले से सोने पर निशाना लगाने वालों की खान बनता जा रहा है। शायद किसी ओलंपिक में यह पहली बार होगा कि भाला फेंक में स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक भारत के ही खिलाडियों ने जीते हों। पुरस्कार वितरण समारोह में इस तरह तिरंगा लहराया जाना हर भारतीय के लिये गौरव का क्षण है। इससे पहले भाविना पटेल ने टेबल टेनिस स्पर्धा में रजत पदक जीतकर भारतीय विजय अभियान की शुरुआत की थी। पैरालंपिक में भाला फेंक स्पर्धा में रजत हासिल करने वाले देवेंद्र झाझारिया का योगदान भी अविस्मरणीय है। वे अपने रिकॉर्ड में सुधार के बावजूद स्वर्ण हासिल न कर पाये। गर्व की बात है कि वे वर्ष 2004 और 2016 के पैरालंपिक स्पर्धाओं में भारत के लिये भाला फेंक में स्वर्ण लेकर आये थे।

कायदे से फिट रहने के फायदे

सौरभ जैन

युवाओं के पास रोजगार से पहले फिटनेस का होना जरूरी है। फिटनेस होगी, तभी शारीरिक क्षमता बेरोजगारी के आनंद की मानसिक अनुभूति को प्राप्त कर सकेगी। फिट इंडिया एप इसी बात को ध्यान में रखते हुए लॉन्च किया गया है। नौकरी छूटने, नौकरी न मिलने, भर्ती परीक्षा न होने, परीक्षा उपरांत परिणाम जारी न होने, परिणाम जारी होने के बाद भर्ती न होने जैसे तनाव का सामना अभी युवा पीढ़ी कर रही है। सरकार की मंशा बहुत पवित्र है, वह इस स्थिति का सामना करने के लिए युवाओं को मजबूत बनाना चाहती है। एप लॉन्च करने के बहाने मानो जैसे वह कह रही हो, बेटा कायदे में रहोगे तो बहुत फायदे में रहोगे। हमारे धर्मशास्त्रों की रचना के समय रोजगार मुद्दों की श्रेणी में शामिल नहीं था। दुर्भाग्य है कि चुनावी घोषणा पत्रों ने रोजगार को मुद्दा बना दिया। अब घोषणा पत्र की बातें तो हवा–हवाई होती है, चुनावों में होती है और चुनावों के बाद हवा हो जाती है। वैसे भी आदर्श घोषणा पत्र तो वही है जो हर चुनाव में एक–सा रहे, चुनाव का वर्ष बदले मगर घोषणा पत्र न बदले। हमारे यहां कर्म में बात जब धर्म की आती है, तब रोजगार को मोक्ष प्राप्त हो जाता है। पुरातन काल में जवानी कर्म और बुढ़ापा धर्म के लिए रिजर्व रहता था। अब जवानी भीड़ में घुसकर मारने के काम आ रही है। फ्री का डाटा युवाओं को सुकरात बनाने के लिए पर्याप्त है। और चाहिए भी क्या? युवा प्रातरू 11 बजे उठकर 11रू05 पर देश की जीडीपी पर स्टेटस अपलोड कर ही देते हैं। वे यदि अपनी ऊर्जा कार्य में लगाएंगे, तो इंस्टाग्राम रील्स पर वीडियो कौन बनाएगा? सरकार के लिए तो यह सोचना भी जरूरी है कि इंस्टाग्राम न हुआ और रोजगार की मांग के लिए कहीं आंदोलन हो गया तो क्या होगा? युवाओं को भटकाव से रोकने के लिए इंस्टाग्राम का होना जरूरी है। वैसे किसी महान दार्शनिक ने कहा है, जीने के हैं चार दिन, बाकी हैं बेकार दिन, अब जब जीने के सिर्फ चार दिन ही हैं, तो नौजवान उन्हें कार्य में कैसे लगा सकते हैं? एक दिन फेसबुक, दूसरा वाट्सएप, तीसरा इंस्टाग्राम और चौथा मन की बात सुनने में निकल जाता है। इसके बावजूद इन प्रामाणित विरोधियों को युवाओं के रोजगार की पड़ी है। अपनी तो जैसे–तैसे, थोड़ी ऐसे या वैसे, कट जाएगी सरीखे सिद्धांतों पर चलने वाली पीढ़ी को भला क्या चाहिए? आज के समय में काम न करना भी एक काम है। श्हे मालिक तेरे बंदे हम, कैसे हों हमारे करमश्‌ अब जब बेरोजगारों को खुद ही नहीं पता कि उनके करम कैसे हों, तो टकराव की घटनाएं तो होंगी ही! नीति बनाने वाले तो ऋणं कृत्वा, घृतं पिबेत् के सिद्धांत पर चल रहे हैं। रुपया वायरल से ग्रसित है और जीडीपी पस्त है। अर्थव्यवस्था भले अनफिट हो, हमें तो इंडिया को फिट बनाना है।

प्रतिष्ठा मिले तो प्रतिभाएं आगे आएंगी

आज आवश्यकता है कि अध्यापकों का वैसा सम्मान हो जैसा राम राज्य में होता था। याद यह भी रखना होगा कि राम राज्य इसीलिए राम राज्य था, क्योंकि वहां सारी राज सत्ता ;षि वशिष्ठ, विश्वामित्र, याज्ञवल्क्य जैसे गुरुओं के निर्देश पर चलती थी और द्वापर में महाभारत इसलिए हुआ क्योंकि बेचारे अध्यापक इतने बेबस थे कि उन्हें राज दरबार में बैठ कर भी द्रोपदी का चीरहरण देखना पड़ा। वे अपने दुरूशासन ...

लक्ष्मीकांता चावला

प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने से पहले एक बार नरेन्द्र मोदी जी ने कहा था कि वह चाहते हैं कि देश के सबसे योग्य व्यक्ति अध यापक बनें। उनको पूरा वेतन भी ससम्मान दिया जाए। उन्होंने एक बार अध्यापक दिवस पर यही बात कही कि आखिर क्यों योग्य छात्र अध्यापक बनने की बात नहीं कहते। परीक्षा परिणामों के बाद बहुत सफल रहने वाले और मैरिट सूची में प्रथम दस–पांच स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से जब कभी पूछा जाता है कि वे भविष्य में क्या बनना चाहेंगे तो शायद ही कोई विद्यार्थी यह कहे कि वह अध्यापक बनना चाहता है। अन्यथा सभी डॉक्टर, इंजीनियर और भारतीय प्रशासनिक सेवाओं में सफलता पाकर उच्च पदों पर आसीन होना चाहते हैं। सच यह भी है कि आज बहुत से युवक–युवतियां जो डॉक्टर, इंजीनियर, बैंक अधिकारी जैसे योग्य पद प्राप्त कर भी चुके हैं उन्हें भी अवसर मिल जाए तो वे आईएएस, आईपीएस और नहीं तो प्रांतीय पुलिस और सिविल सेवाओं में सफलता पाकर साहब बनना चाहते हैं।

दरअसल, आज सारी शक्ति, सारी सुविध ाएं और सारा सम्मान इसी वर्ग के चारों ओर केंद्रित हो गया है, जिसे हम आईएएस या आईपीएस और पीपीएस कहते हैं। कोई तहसीलदार स्तर का अधिकारी भी किसी स्कूल–कॉलेज में पहुंच जाए तो सारी संस्था का ध्यान उसी अधिकारी की आवभगत में लग जाता है। यहां तक कि इसी स्तर के अधिकारी के द्वारा कार्यक्रमों का उद्घाटन करवाकर और उनके तथाकथित करकमलों से पुरस्कार पाकर देने और लेने वाले स्वयं को धन्य समझने लगते हैं। संस्था की ओर से उनकी गुण गाथा मंच से इस ढंग से की जाती है कि कोई भी विद्यार्थी इसी पद पर पहुंचकर धन्य होना चाहता है।

किसी शिक्षण संस्था का प्रधानाचार्य अथवा प्राचार्य होना बड़ी बात है, पर गंगा उलटी बहने लगी है। शिक्षण संस्थाओं के मुखिया अपने नगर–महानगर के किसी पुलिस अध िकारी को जब अपने स्कूल–कॉलेज में कार्यक्रम का मुख्य अतिथि बनने के लिए निमंत्रित करते हैं तभी यह आभास होता है कि अतिथि बहुत विशिष्ट है। यही प्रिंसिपल और कॉलेजों के अध्यापक अपने ही नगर के इन अधिकारियों से मिलने जाते हैं तो उन्हें प्रतीक्षा भी करनी पड़ती है। तब तक उचित सम्मान नहीं मिलता जब तक उनकी निजी मित्रता सम्बद्ध अधिकारी से न हो। अध्यापक, डॉक्टर, वकील तथा अन्य संस्थानों के कर्मचारी पुलिस के डंडे से पिटते और अपमानित भी किए जाते हैं।

पिछले दिनों पंजाब में ही उन विद्यार्थियों के नाम चित्रों सहित समाचार पत्रों में प्रकाशित हुए जिन्होंने भारतीय प्रशासनिक सेवाओं में सफलता प्राप्त की अथवा पंजाब की सिविल सेवाओं में उत्तीर्ण हुए। सभी समाचार पत्रों में इनके चित्र सपरिवार प्रकाशित करने की होड़ लग गई। इस परीक्षा में सफल होने वाली लड़कियों के लिए तो यह लिखा गया कि बिटिया बन गई कड़क अधिकारी। पुलिस सेवा में कोई सफलता प्राप्त कर ले, तब भी परिवार–समाज और मीडिया उसका पूरा अभिनंदन करती है। यही प्रशंसा और चर्चा उन्हें नहीं मिलती जो डॉक्टर, कॉलेज प्राध यापक अथवा अन्य पद प्राप्त करते हैं। कारण वही है कि उनके साथ सत्ता जुड़ी है, अधिकार हैं। अधिकार भी इतने पक्के कि जब समय आए तो वे किसी को भी हथकड़ी लगा सकते हैं, जेल भिजवा सकते हैं और अपने ऑफिस के बाहर घंटों खड़े भी रख सकते हैं।

निरूसंदेह अगर समाज में अध्यापकों को पूरा सम्मान और सम्मानजनक वेतन मिलेगा तभी योग्य व्यक्ति इस कार्य को अपने जीवन का एक लक्ष्य बनाएंगे। आज की स्थिति यह है कि जब किसी भी सत्तापति का आगमन हो तो उनकी अगुवानी के लिए, रौनक बढ़ाने के लिए, तालियां बजाने के लिए अध्यापकों को ही लाइन में लगा दिया जाता है। देश के लाखों अध्यापक ऐसे हैं जिन्हें पूरा वेतन नहीं मिलता। उन्हें बहुत कम वेतन देकर ठेके पर रखा जाता है, मानसिक और शारीरिक शोषण सहना पड़ता है। गांवों में तो स्थिति इतनी दयनीय है कि उच्च शिक्षित अध्यापक को कोई पंच–सरपंच भी जब चाहे अपमानित कर सकता है। अध यापकों को जब सरकार चाहे स्कूलों से निकालकर जनगणना में लगा सकती है, वोट बनाने और चुनाव करवाने का काम सौंप सकती है। ऐसे बहुत से काम हैं, जिनका अध्ययन–अध्यापन से कोई संबंध नहीं, वहां भी स्कूलों से अध्यापकों को ही निकालकर धकेल दिया जाता है।

आज आवश्यकता है कि अध्यापकों का वैसा सम्मान हो जैसा राम राज्य में होता था। याद यह भी रखना होगा कि राम राज्य इसीलिए राम राज्य था, क्योंकि वहां सारी राज सत्ता ऋषि वशिष्ठ, विश्वामित्र, याज्ञवल्क्य जैसे गुरुओं के निर्देश पर चलती थी और द्वापर में महाभारत इसलिए हुआ क्योंकि बेचारे अध्यापक इतने बेबस थे कि उन्हें राज दरबार में बैठ कर भी द्रोपदी का चीरहरण देखना पड़ा। वे अपने दुरूशासन और दुर्योधन जैसे शिष्यों को न नियंत्रित कर सके, न कोई दिशा दे सके। आज के भारत में सबसे आवश्यक यही है कि बहुत अच्छे, सुसंस्कृत राष्ट्रभक्त व्यक्ति ही अध यापक बनें, अन्यथा सुधार की आशा ही मृगमरीचिका जैसी हो गई है।

फिर बिचौलिये की भूमिका में पाकिस्तान

यदि कुछ भी कारगर नहीं रहा तो फिर हमेशा की तरह पाकिस्तान के पास ब्लैकमेल करने वाला पैंतरा तो है ही। पाकिस्तान परमाणु अस्त्र संपन्न देश है, इसलिए यह डरावा दिखाना कि कहीं आतंकियों के हाथ न पड़ जाएं, यह भय पश्चिमी जगत को सदा सताता आया है। पाकिस्तान का यह कहना कि जिहादियों द्वारा उसकी 20 करोड़ आबादी वाली जमीन उर्वरक हो सकती है, यह धमकी भी प्रत्येक पश्चिमी ...

के.पी. नैयर

जहां तालिबान ने अफगानिस्तान को तूफानी रफ्तार से अपने कब्जे में लेकर सत्ता हथिया ली वहीं पाकिस्तान अपने पुराने काम पर लग गया है, जिसे वह सबसे अच्छी तरह करना जानता है यानी दलाली। वैसे तो पाकिस्तान की जो भी प्रासंगिकता रही है, उसके मुताबिक दलाल कहना भी आंशिक रूप से न्यायोचित होगा। भारत में बहुप्रचारित नजरिए के विपरीत, काबुल में तालिबान नीत सरकार बनने से दुनियाभर के मुल्क पाकिस्तान की आलोचना करने की बजाय नजदीकियां बढ़ाना चाहेंगे। पिछले साल दोहा में भूतपूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और तालिबान के बीच वार्ता के बाद अफगानिस्तान से पश्चिमी ताकतों का हताशा भरा चरणबद्ध पलायन शुरू हुआ था, लेकिन इस समझौते का इस्लामिक सशस्त्र गुट की मंशा पर तनिक भी असर नहीं हुआ, उन्होंने इसी महीने विधिवत चुनी हुई अफगान सरकार को बुहारकर एक तरफ कर दिया। जब तक दोहा में हुई संधि की भावना याद रहेगी, भले ही मात्रा कितनी भी कम हो, तब तक अमेरिका–तालिबान संबंध रहेंगे, लेकिन वहीं तक जहां तक तालिबान को भाएंगे। अमेरिकियों को तालिबान से कभी फायदा मिलने वाला नहीं है और यह बात वे बखूबी जानते हैं। जहां तक भविष्य में नजर जाती है, पश्चिमी और पूरबी ताकतों के लिए अफगानिस्तान की राह पाकिस्तान से गुजरती है। यूके और जापान उदाहरण हैं। इस नियम का अपवाद सिर्फ रूस, चीन और ईरान हैं, यही वे मुल्क हैं जिन्हें तालिबानीकरण हुए अफगानिस्तान में महत्व मिलेगा। पाकिस्तान का वर्तमान परिदृश्य बहुत कुछ वैसा है, जो 9ध्11 आतंकी हमले के बाद था। तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज बुश ने आखिरी समय सीमा देते हुए कहा था श्हर क्षेत्र से, हर मुल्क को अब फैसला लेना होगा कि वह हमारे साथ है या फिर आतंकियों की तरफश्‌। पाकिस्तान श्हमारे साथश्‌ वाले पाले में जाने को पहले ही उत्साही था। कहा जाता है कि तत्कालीन विदेश मंत्री कॉलिन पॉवेल ने जनरल परवेज मुशर्रफ को फोन पर साफ किया था कि वर्ल्ड ट्रेड सेंटर और पेंटागन पर अल कायदा द्वारा किए हमलों की सजा देने की राह में पाकिस्तान के पास साथ देने के अलावा कोई चारा नहीं है। सच तो यह है कि इस ताडना की कतई जरूरत नहीं थी, मुशर्रफ तो खुद अमेरिका के साथ पुनरू गलबहियां डालने को उत्सुक थे। इससे पहले जॉर्ज हर्बर्ट वॉकर बुश के राष्ट्रपति काल के दौरान, एक दशक तक पाकिस्तान को कटु शिकायत रही थी कि अफगानिस्तान में सोवियत संघ की घुसपैठ के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह करवाने को पाकिस्तान का इस्तेमाल बतौर एक एजेंट किया गया और सोवियत सेना की वापसी के बाद तज दिया। लेकिन 9ध्11 के बाद पाकिस्तान पुनरू अमेरिका का दलाल बन बैठा। जब 9ध्11 की घटना के बाद तत्कालीन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बृजेश मिश्रा वाशिंगटन आए थे (उन दिनों मैं अमेरिका से रिपोर्टिंग करता था) उन्होंने मुझे बताया कि वे अपने अमेरिकी वार्ताकार से पाकिस्तान की शिकायत नहीं करने वाले, इसका कोई असर नहीं होगा, क्योंकि पाकिस्तान की मदद के बिना अफगानिस्तान में अमेरिकी अभियान संभव नहीं है, फिर भले ही आतंकियों की जड़ आईएसआई क्यों न हो। बहुत से भारतीय, जो अपने देश की आधिकारिक कूटनीति प्रतिपादित करते थे, यदि उन्हें याद दिलाऊं तो तिलमिला उठेंगे कि बृजेश मिश्रा की इस लीक, जिसका खुद वाजपेयी सरकार के अंदर विरोध था, का भारत को फायदा हुआ था। वाजपेयी सरकार के वक्त परमाणु परीक्षणों की वजह से भारत पर अमेरिका ने अनेकानेक प्रतिबंध लगा दिए थे, ठीक इसी कारण से पाकिस्तान पर भी लागू थे। हालांकि इनमें अधिकांश को वर्ष 2000 में बिल क्लिंटन की भारत यात्रा से पहले बतौर सद्भावना संकेत उठा लिया गया था, लेकिन बाकी के शायद अनिश्चितकाल तक बने रहते। लेकिन अफगानिस्तान पर चढ़ाई की गर्ज से बुश और पॉवेल पाकिस्तान पर लगाए गए तमाम प्रतिबंध हटवाना चाहते थे, क्योंकि इनके कायम रहते अमेरिका अलकायदा के खिलाफ पर्याप्त कार्रवाई नहीं कर सकता था। आज की तरह, तब भी श्काबुल का रास्ता पेशावर होकरश्‌ जाता था (वहां स्थित पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय को भरोसे में लिए बिना कुछ नहीं हो सकता) और श्पेशावरश्‌ तक पहुंच प्रतिबंधों की वजह से संभव नहीं थी। लिहाजा बुश के पास पाकिस्तान और भारत, दोनों पर लगे प्रतिबंध एक–साथ उठाने के सिवा कोई राह नहीं थी। बृजेश मिश्रा का मानना था कि पाक–प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति या संसद से शिकायत करने से दोनों मुल्कों पर लगे प्रतिबंध उठाने की प्रक्रिया लटक जाती। बल्कि उन्होंने खास आरके मिश्रा को गुप्त वार्ता के लिए पाकिस्तान भेजा ताकि दोनों मुल्क प्रतिबंध उठवाने को समन्वित दबाव बना सकें। भारत के लिए, राष्ट्रपति क्लिंटन की यात्रा से पूर्व प्रतिबंध उठाने को सीनेटर सैम ब्राउनबैक द्वारा बनाए गए श्ब्राउनबैक एमेन्डमेंट्स 1 और 2श्‌ भारत–अमेरिका के बीच बराबर की जीत वाले थे। सच तो यह है कि ब्राउनबैक चाहते थे कि पाकिस्तान पर श्प्रैस्लर एमेंडमेंटश्‌ जो कि अमेरिका के हाथ में पाकिस्तान के लिए चाबुक थाद्द समेत तमाम प्रतिबंध हटा लिए जाएं। लेकिन ब्राउनबैक की सिफारिशें स्वीकार करने के अगले ही दिन मुशर्रफ के सैनिक विद्रोह से प्रैस्लर प्रतिबंध हटाने का फैसला टालना पड़ा था। विश्व में कहीं भी लोकतांत्रिक ढंग से चुनी सरकार का तख्तापलट करने पर अमेरिका नई सत्ता पर प्रतिबंध लगाता आया है। अफगानिस्तान में बड़ी पश्चिमी ताकतों का दलाल वाला रुतबा पुनरू हासिल करने को उम्मीद है पाकिस्तान त्रि–आयामी रणनीति अपनाएगा। एक, खुद को भी आतंकवाद का शिकार दर्शाना और अमेरिकी सत्ता–गलियारों में इस दावे पर यकीन करने वाले मिल भी जाएंगे। दूजा, अफगानिस्तान से बड़ी संख्या में शरणार्थियों की संभावना दिखाकर अमेरिका से पैसे ऐंठना, जो न केवल इन शरणार्थियों की मदद करने बल्कि कट्टरता निवारण करने के नाम पर होगा, तीसरा, कोविड–19 महामारी और अफगानिस्तान से व्यापार में आई कमी से बनी आर्थिक बदहाली का वास्ता देना, ताकि पश्चिमी आर्थिकियों से बेहतर व्यापारिक रिश्ते बन पाएं। लेकिन क्या यह रणनीति कारगर होगी? यदि पाकिस्तान के 75 साल के इतिहास को देखें, तो रणनीति अपना ध्येय प्राप्त कर लेगी। जब तक ट्रंप ने पाकिस्तान को मिलने वाली अधिकांश सहायता बंद नहीं की थी, उससे पहले 16 सालों में पाकिस्तान को कम से कम 33 बिलियन डॉलर की अमेरिकी मदद मिली थी। सहायता करने में अन्य सहयोगी देश भी ज्यादा पीछे नहीं थे। इस बार जैसी दोस्ती रूस–पाकिस्तान के बीच है वैसी इतिहास में कभी नहीं रही, और रूस तालिबान पर पाक–सेना के प्रभाव का फायदा उठाना चाहेगा। चीन अब वैश्विक आर्थिक शक्ति है और वह भी पाकिस्तान की माली मदद करेगा। यदि कुछ भी कारगर नहीं रहा तो फिर हमेशा की तरह पाकिस्तान के पास ब्लैकमेल करने वाला पैंतरा तो है ही। पाकिस्तान परमाणु अस्त्र संपन्न देश है, इसलिए यह डरावा दिखाना कि कहीं आतंकियों के हाथ न पड़ जाएं, यह भय पश्चिमी जगत को सदा सताता आया है। पाकिस्तान का यह कहना कि जिहादियों द्वारा उसकी 20 करोड़ आबादी वाली जमीन उर्वरक हो सकती है, यह धमकी भी प्रत्येक पश्चिमी नागरिक की रीढ़ में सिहरन पैदा करने को काफी है। काबुल में हुए सत्ता–परिवर्तन के आलोक में पाकिस्तान अपने इस श्सरमाएश्‌ को कितना भुना पाता है, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि प्रधानमंत्री इमरान खान अपने पत्ते कितनी शातिरता से चलते हैं।

बच्चों पर कहर बरपा रहा वायरल फीवर

देवरिया । महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज से संबद्ध जिला अस्पताल वायरल फीवर के मरीजों से भर गया है। एक बेड पर दो–दो मरीजों का इलाज किया जा रहा है। अस्पताल में मरीजों को लेकर माताएं बच्चों के साथ बेड के खाली होने का इंतजार कर रही हैं। स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था चरमरा गई है। मरीजों की शिकायत है कि अधिकतर दवाइयां बाहर से खरीदनी पड़ रही हैं। जिला अस्पताल में 20 बेड चिल्ड्रेन वार्ड व 15 बेड पीआइसीयू है। इन दिनों वायरल फीवर के मरीजों की संख्या 10 दिन से लगातार बढ़ने के कारण चिल्ड्रेन वार्ड में 10 बेड और बढ़ाया गया। इसके बावजूद एक बेड पर दो–दो मरीजों को भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। पीआइसीयू में स्थिति सबसे खराब है। इमरजेंसी से पीआइसीयू में भर्ती होने के लिए लोग गेट के बाहर बैठने वाले स्थान पर बीमार बच्चों को लेकर बेड खाली होने का इंतजार कर रहे हैं। बच्चों को पहले बुखार हो रहा है। उसके बाद पूरे शरीर में तेज दर्द के साथ खांसी हो रही है। बुखार दवा खाने पर छोड़ रहा है और जैसे दवा का असर समाप्त हो रहा है फिर से हो जा रहा है। कई बच्चों को बुखार के कारण झटका भी आने की शिकायत है। पीआइसीयू में एक बेड पर दो मरीज और दोनों मरीजों के साथ दो–दो अटेंडेंट मौजूद हैं। वार्ड में भीड़ बढ़ने से संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। बेड खाली होने का करना पड़ रहा इंतजारः लोगों को बच्चों के इलाज के लिए बेड के खाली होने का इंतजार करना पड़ रहा है। पीआइसीयू के बाहर बच्चे के साथ बैठी लार की कनिसा खातून अपने दो माह के बीमार बेटे समीर व लंगड़ा भलुअनी की भागमनी देवी व रीना देवी छह साल के बच्चे अंश गुप्ता के इलाज के लिए परेशान रहीं। वार्ड में भर्ती मरीजों ने बताया कि कुछ दवाएं अंदर से मिल रही हैं। कई दवाएं बाहर से खरीद कर लानी पड़ रही है। मरीजों को बेहतर इलाज देने का डाक्टरों को निर्देश दिया गया है। जहां भी कमियां है, उसमें सुधार किया जा रहा है। अचानक मरीजों के बढ़ने से थोड़ी परेशानी है। महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज दो दिन से अचानक बढ़े मरीज दो दिन पूर्व 30 अगस्त को मरीजों की संख्या 30 थी। पीआइसीयू के बेड फुल थे जबकि चिल्ड्रेन वार्ड में भर्ती के लिए जगह थी। 31 अगस्त से मरीजों की संख्या बढ़ गई और चिल्ड्रेन वार्ड फुल होने के साथ ही मरीजों की संख्या बढ़कर 45 हो गई। मौजूदा समय में 70 मरीज भर्ती हैं। वायरल फीवर से ऐसे बचें: जिला अस्पताल के शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ डा. एचके मिश्र ने कहा कि बच्चों को लोगों से दूरी बनाकर रखें। कोई बच्चा अगर वायरल फीवर से संक्रमित है तो अन्य बच्चों से दूरी बनाकर रखें। घर में बाहर आने पर बिना कपड़े बदलें व हाथ पैर धुले बच्चों को न छुएं। एसी का प्रयोग न करें। मौसमी फल बच्चों को खिलाएं। पानी उबाल कर सेवन करें। बच्चों को धूप में न खेलने दें। बाहर के खाद्य पदार्थ पकौड़ी, समोसा, बर्गर, चाउमिग आदि पर रोक लगाए। ठंडे पेय पदार्थों का सेवन न करने दें। स्कूल में जाने वाले बच्चे मास्क व सैनिटाइजर का प्रयोग करें। बुखार नहीं छोड़ने पर तत्काल डाक्टर को दिखाएं।

लंबित समस्याओं का समाधान नहीं होने पर शिक्षक करेंगे आंदोलन

देवरिया। ब्लाक संसाधन केंद्र परिसर देवरिया में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक हुई। जिसमें शिक्षकों की समस्याओं को लेकर आंदोलन करने का निर्णय लिया गया। जिलाध्यक्ष अनिल कुमार भारती ने कहा कि शिक्षक संघ मात्र एक संस्था नहीं, परिवार है, जो अपने सदस्यों की छोटी–बड़ी समस्याओं के निस्तारण के प्रति हमेशा खड़ा रहता है। संगठन के प्रति आम शिक्षकों की आस्था और विश्वास ही संगठन को मजबूत करता है। शासन स्तर पर और जनपद स्तर पर शिक्षकों की कई समस्याएं लंबित है, जिनका निराकरण न होने पर संगठन आंदोलन करेगा। जिला मंत्री विजय कुमार सिंह ने कहा कि जनपद स्तर पर चयन वेतनमान, सेवा पंजिका, जीपीएफ ऋण से संबंधित जो भी समस्याएं हैं, उनके निराकरण के लिए बीएसए से बातचीत हुई है। बैठक को राघवेंद्र वीर शाही, शिवाकांत मिश्र, अवनीश दीक्षित, रामबालक सिंह, करुणेश तिवारी, आनंदेश्वर सिंह, तेजेंद्र मोहन सिंह, अशोक सिंह, संजीव दुबे, विध्याचल यादव, अवधेश सिंह मौजूद रहे।

1842 की रिपोर्ट निगेटिव, पाजिटिव एक भी नहीं

देवरिया। कोरोना संक्रमित का आंकड़ा जिले में शून्य है लेकिन स्वास्थ्य विभाग इसे लेकर पूरी तरह से अलर्ट है। स्वास्थ्य विभाग अपनी तरफ से अधिक से अधिक लोगों को कोरोनारोधी टीका लगवाने का प्रयास कर रहा है। टीकाकरण में लोग अब पूरे उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं। आई कोरोना जांच रिपोर्ट में 1842 की रिपोर्ट निगेटिव रही। एक भी रिपोर्ट पाजिटिव नहीं आई। जिसे लेकर स्वास्थ्य विभाग काफी राहत महसूस कर रहा है। अभी तक जिले में कोरोना से 219 लोगों की कोरोना से मौत हुई है। 19991 लोग इलाज कराकर स्वस्थ हो चुके हैं। जिले में सक्रिय केस की संख्या एक भी नहीं है। चौबीस घंटे में 2593 लोगों की कोरोना जांच की गई। कुल 858145 लोगों की जांच की जा चुकी है। कोरोना संक्रमण को लेकर अभी भी लापरवाही बरती जा रही है। हालांकि शासन इसके लिए सख्त है और लगातार निर्देश दे रहा है कि कोरोना प्रोटोकाल का हर हाल में पालन कराया जाए। सीएमओ डा. आलोक पांडेय ने कहा कि आज एक भी कोरोना संक्रमित नहीं आए हैं। लोगों को कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

भूस्खलन से सात की मौत, पांच घायल

महराजगंज। नेपाल के पहाड़ों में रह–रह कर हो रही बारिश से भूस्खलन का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। पोखरा व दांग जिले में अलग–अलग स्थानों पर हुए भूस्खलन में सात लोगों की मौत हो गई। जबकि पांच लोग घायल हो गए। पहली घटना दांग जिले में हुई। यहां भूस्खलन की चपेट में आए कार सवार विमल श्रेष्ठ, अनीता, सागर व पूरन की मौत हो गई। नेपाल पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद मलबे के साथ नदी में गिरी कार व शवों को बाहर निकाला। दूसरी घटना पोखरा के भलाम में रात करीब 12 बजे हुई। वहां भूस्खलन का मलबा एक घर पर आ गिरा। मलबे में दब कर सुनमाया तमांग नामक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि घटना में घायल पति श्रेष्ठ ने इलाज के दौरान मणिपुर अस्पताल में दम दौड़ दिया। उसके दो बच्चे घटना में घायल हुए हैं। तीसरी घटना पोखरा क्षेत्र के नमूनाटोल की है। यहां एक घर भूस्खलन के मलबे के नीचे दब गया। जिसमें लक्ष्य नामक व्यक्ति की मौत हो गई। पोखरा क्षेत्र के बसेरी में भूस्खलन से तीन बच्चे घायल हो गए। यह मार्ग हैं अवरुद्ध .हुए भूस्खलन से बुटवल–पाल्पा–काठमांडू मार्ग कई स्थानों पर अवरुद्ध हो गया है। नारायणघाट–मुगलिग–काठमांडू मार्ग पर भी कई स्थानों पर भूस्खलन हुए हैं। नेपाल प्रशासन रास्तों पर जमा हुए मलबे को हटाने में जुटा है। कई नेपाली व भारतीय ट्रकें मार्ग अवरुद्ध होने के कारण फंसी हैं। हवाई यात्रा को प्राथमिकता दे रहे लोगः नेपाल के मुख्य सड़क मार्गों पर हो रहे भूस्खलन को देखते हुए लोग काठमांडू व पोखरा जाने के लिए हवाई यात्रा को प्राथमिकता दे रहे हैं।

पोखरे में डुबाने से हुई थी किशोरी की मौत

देवरिया। भलुअनी थाना क्षेत्र के महादेव ताल के समीप से एक पोखरे से बरामद किशोरी के शव की बरामदगी से भलुअनी पुलिस ने पर्दा उठा दिया है। इस मामले में किशोरी कोमल उर्फ चुलबुली सिंह उम्र 17 वर्ष निवासी हाटा को मारकर पोखरे में फेंकने वाले तीन आरोपितों को पुलिस ने बारीपुर के समीप से मुखबिर की सूचना पर बरामद कर जेल भेज दिया। पुलिस ने आरोपितों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लाठी बरामद भी बरामद कर लिया। थानाध्यक्ष दीपक कुमार ने बताया कि किशोरी को खाद्य सामग्री चुरा कर खाने के चलते उसकी बड़ी मां शैल देवी पत्नी स्व. हरिगोविद सिंह उर्फ मुन्ना सिंह ने डंडे से सिर में मार दिया। जिससे वह अचेत होकर गिर गई। स्वजन समझे कि वह मर गई। ऐसे में उसे बरहज में नदी में बहाने के लिए गए। लेकिन वहां घाट पर कर्मी ने मना कर दिया कि यहां शव किनारे अभी लग जाएगा। ऐसे में स्वजन उसे घर ले आए और गड़ेर के समीप एक पोखरे में डुबा कर घर चले गए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत्यु का कारण डूबने से मौत आई है। इससे प्रतीत होता है कि किशोरी पोखरे में फेंकते समय तक जिदा थी। पुलिस ने इस मामले में आरोपित ललित मोहन सिंह पुत्र स्व. रामपति सिह, प्रभुजी सिंह पुत्र स्व. मुनेश्वर सिंह, शैल देवी पत्नी स्व. हरिगोविन्द सिंह उर्फ मुन्ना सिंह को गिरफ्तार कर गैरइरादतन हत्या व साक्ष्य छुपाने के मामले में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया।

रोहिन व राप्ती बढ़त पर, दहशत बरकरार

महराजगंज। पिछले दो सप्ताह से नेपाल की पहाड़ियों पर हो रही बरसात से पिछले दिनों उफनायी जिले की नारायणी व अन्य नदियों का जलस्तर जहां सामान्य हो गया हैं, वहीं राप्ती व रोहिन नदी का जलस्तर खतरे का निशान पार कर हाई फ्लड लेवल की ओर बढ़ रहा है। नदियों का रौद्र रूप देख लोग दहशत में हैं। शाम को जहां राप्ती नदी अपने खतरे के निशान से 1.30 मीटर ऊपर बहती मिली, वहीं रोहिन की धारा भी दो मीटर ऊपर बहती पाई गई। बाढ़ बचाव के दृष्टिकोण से नदियों के बंधों की देखरेख के लिए अधिकारी कर्मचारी कैंप किए हुए हैं, और समय–समय पर उसका अपडेट दे रहे हैं। दो सप्ताह पूर्व नदियों के बढ़े जलस्तर से निचलौल और नौतनवा तहसील क्षेत्र के कुल 112 गांव प्रभावित हुए थे। इसमें 43 गांव सर्वाधिक प्रभावित हैं। बाढ़ का पानी बढ़ जाने से निचलौल के चंदन नदी पर बना बकुलडीहा और गोसदन मधवलिया को जाने वाली सड़क पर बना पुल बाढ़ के पानी में टूटकर बह गया था। जहां पर आज भी लोगों का आवागमन नाव से किया जा रहा है। इसके अलावा सोहगीबरवा के शिकारपुर और भोथहा में भी पानी ढलने के बाद दूश्वारी बढ़ गई है। जिन स्थानों से बाढ़ का पानी कम हुआ है वहां पर साफ–सफाई को लेकर समस्या बढ़ गई है। सिचाई विभाग खंड दो के अधिशासी अभियंता राजीव कपिल ने बताया कि बाढ़ बचाव के मद्देनजर रोहिन और राप्ती के बंधों पर नजर रखी जा रही है। विभाग के इंजीनियर बंधो पर कैंप कर रहे हैं। शाम तक रोहिन और राप्ती के बंधे सुरक्षित हैं।

पुरानी रंजीश को लेकर दो पक्षो में जमकर हुई मारपीट

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोला/गोरखपुर। थाना क्षेत्र के पड़ौली चौराहे पर पुरानी रंजीश में दो पक्षों में जम कर मार पीट हुई, जिसमें दोनों पक्षों को चोट आई है। थाने पर दोनों तरफ से तहरीर दे दी गई है। 'एस ओ गोला' दोनों तरफ से तहरीर मीली है। तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। दोनों पक्षों को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही हेतु न्यायालय में पेश किया जाएगा। अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। 2 सितम्बर बृहस्पतिवार को साम लगभग सात बजे दुर्गेश गोड़ पुत्र स्व इंद्रजीत गोड़ पड़ौली चौराहे के दक्षिण तरफ सब्जी की दुकान पर सब्जी खरिदने गया था। कि तभी इसी चौराहे के निवासी विरेन्द्र चौरसिया पुत्र श्याम राज चौरसिया से कहा सुनी होने लगी, बता आगे बढ़ते हुए मारपीट में बदल गई। दोनों के बीच मार पीट होने की बात जब घरवाले सुने तो उधर दौड़ पड़े। और वहां पहुंच कर लाठी डंडा, पट्टा आदि से मार पीट सुरु कर दी, जिसमे श्याम राज के पुत्र गया चौरसिया के सर में चोट लगा है। और विरेन्द्र चौरसिया भी घायल हो गए। वहीं दुसरे पक्ष के दुर्गेश गोड़, बीमला देवी, बृजेश और रामशबद को भी काफी चोटें आई है। ये सभी लोग गोरखपुर मेडिकल कराने गये हैं। 'क्या था मामला' करीब तीन माह पहले शाम को विरेन्द्र चौरसिया सौच के लिए खेत की तरफ जा रहे थे उसी समय बृजेश गोड़ की पालतू कुतिया इन पर भौकने लगी और दौड़ाने लगी जिसपर विरेन्द्र ने ढ़ेला चला दिया। इसी बात को लेकर बृजेश के भाई ने विरेन्द्र को पिट दिया था। उस समय गांव में चुनाव चल रहा था। गांव के मुअज्जिज लोगों ने मामलें का समझौता करा दिया था। इसी अपमान में सुलग रहे विरेन्द्र ने कल शाम दुर्गेश को सब्जी खरिदते देख कुछ कहा और बात मार पीट में तब्दील हो गया।

जनता के द्वारा मिल रहे जनसमर्थन के आधार पर ही 2022 विधान सभा का चुनाव जितूगाँः रविश सिंह

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हाटाध्कुशीनगर। हाटा तहसील के मशहूर पर्यावरण प्रेमी एवं नगर पंचायत क्षेत्र सुकरौली के सावित्री सेवा संस्थान के प्रबन्धक डा०रविश सिंह के विधान सभा चुनाव मे 2022 के चुनावी मैदान मे आ जाने से सभी राजनितिक दलो के अलावा 334 विधान सभा हाटा मे एक चर्चित चेहरा बन कर उभर चुके।

बताया जाता है कि डा० रबिश सिह करीब पाँच बर्षो से पूरे तहसील क्षेत्र के ग्रामो मे सावित्री सेवा संस्थान के तरफ से लगातार निः शुल्क पौधे का अनवरत विरतण करने के साथ जगह जगह बृक्षारोपण करके हाटा विधान सभा क्षेत्र की जनता के सभी वर्गो मे अपना एक मजबूत स्थान बना लिया है।

प्रिंस, राजेशसिंह,संतोष प्रसाद,मुन्ना प्रसाद, द्वारिका तिवारी, अरुण पाण्डेय ,जगदम्बा तिवारी, छोटेलाल शास्त्री, दुर्गेश कुमार यादव,वर्ष 2020 मे कोविड– 19 के महामारी मे निःशुल्क सेनेटाईजर, मास्क, साबुन के वितरण के साथ पुरे विधान क्षेत्र मे संक्रामक विमरियो के बचाव एवं रोकथाम के लिए सेनेटाईजर का छिड़काव निस्वार्थ भाव से कराने का कार्य किये हैं।

सेवाभाव से करने के कारण आम जनमानस मे एक स्थान बना लिए। जनता के द्वारा मिल रहे स्नेह एवं जन समर्थन के बलबूते चुनावी मैदान मे उतर जाने के कारण राजनितिक लोग भी सकते मे आ गये हैं। डा० रविश सिंह के पुरे क्षेत्र मे भ्रमण एवं घर घर बृहद जन सम्पर्क करने के कारण अपार स्नेह एवं प्यार मिलने से अपने आपको काफी अभीभूत महसूस कर रहे है। ग्राम पंचायत मुण्डेरा उपाध्याय, रामपुर बुर्जुग आदि गावो मे घर घर डोर टू डोर जनसम्पर्क किया लोगों के द्वारा भरपूर जनसमर्थन मिल रहा है। जनता के द्वारा मिल रहे जनसमर्थन के आधार पर निश्चित रूप से 2022 के विधान सभा चुनाव मे विजय श्री को प्राप्त करने को निशि्चत हैं।

सम्पर्क के दौरान प्रमुख रूप से प्रशान्त कुमार सिह, प्रिस प्रसाद, अभिमन्यु सिह, दुर्गेश कुमार यादव आदि दर्जनों लोग भौजूद रहे।

विकास का पैसा पानी में बहा रही भाजपाः विजय रावत

मुकेश सिंह/दैनिक बुद्ध का संदेश

देवरिया। बरहज विधानसभा में बाढ़ प्रभावित छेत्र का दौरा

करते हुए सपा नेता विजय रावत ने कहा कि विकास का पैसा पानी में बहा रही भाजपा सरकार पीछे चार साल की भाजपा सरकार में गौरा कटिलवा कुरे परशिया भदीला रामजनकि मार्ग पर अगर काम हुआ होता तो नही डूबती हजारों एकड़ फसल और नही डूबते गांव । पिछले चार साल के सरकार में भाजपा के जनप्रतिनिधि व अधिकारियों ने जनता को धोखा दिया जिसकी देन हैं कि हजारों एकड़ फसल और सैकड़ों गांव बर्बाद हो गई और बंधे के नाम पर सपा सरकार में स्वीकृत 59 करोड़ रूपए भाजपा के अधिकारी पानी में बहा दिए आज किसान मजदूर नौजवान सब परेशान हैं नदी के किनारे जितने गांव है वहा के लोग दहशद में जीवन बयतीत कर रहे हैं और अपना आशियाना अपने हाथो उजाड़ रहे हैं जिसकी जिम्मेदार भाजपा सरकार और उसके अधिकारी है सपा की सरकार बनी तो पिछले चार साल के बाढ़ प्रभावित कार्यों की जॉच होगी और दोषियों पर कार्रवाई करने का काम किया जाएगा रामजनकी मार्ग पर हो रहे नदी के पानी की रिसाव की तत्काल बेवस्था नही की गई तो तो कल से समाजवादी पार्टी धरना देने का काम करेगी अगर रामजनकी मार्ग टूटा तो कई हजार एकड़ फसल और सैकड़ों गांव बाढ़ प्रभावित हो जायेंग इम्मामुदिन खान ने कहा कि रामजनकी मार्ग पर जिस तरह से नदी के पानी का दबाव बन रहा है उसे शासन प्रशासन द्वारा कार्यवाही नही की तो सैकड़ों गांव जलमग्न हो जाएंगी मुख्य रूप से विकाश यादव चंदन कुमार सोनू सूद सूरज कुमार जयराम ठाकुर लोग मौजूद रहे।

पीजी कालेज ओबरा में मिशन शक्ति के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण पर भव्य सेमिनार का आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा में 2 सितम्बर गुरुवार की देर सायं मिशन शक्ति के तृतीय चरण के अंतर्गत होने वाले कार्यक्रमो में महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वालम्बन शीर्षक पर एक भव्य ऑफलाइन सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं के साथ–साथ छात्रों ने भी बढ़– चढ़कर भाग लिया। उक्त सेमिनार की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रमोद कुमार ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में महिला सशक्तिकरण के विविध पहलुवों पर ध्यान आकृष्ट कराते हुए बताया कि, नारी शक्ति को शक्तिशाली बनाये बिना राष्ट्र का सर्वांगीण विकास संभव नही हैस आपने महिलाओंध्बेटियों को समुचित सुरक्षा, संरक्षा व भयमुक्त स्वस्थ वातावरण दिए जाने पर बल दिया। सेमिनार में मुख्य अतिथि के रुप में सम्मिलित हुई महाविद्यालय की पूर्व छात्रा रेनू सिंह,असिस्टेंट कमिश्नर (जीएसटी) बाराबंकी ने महिलाओं की सुरक्षा से सम्बंधित सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए ,महिलाओंध्बेटियों को अपना आत्म विश्वास बढ़ाने एवं निडर होकर गलत कार्यों का खुलकर विरोध करने के साथ– साथ अपनी शक्ति को पहचानने पर बल दिया। सेमिनार में विशिष्ट अतिथि के रुप में सम्मिलित होते हुए ओबरा थाना प्रभारी अभय कुमार सिंह ने महिलाओं/छात्राओं की सुरक्षा पर सरकार एवम पुलिस विभाग द्वारा चलाए चलाए जा रहें विभिन्न कार्यक्रमों, महिला हेल्प डेस्क, हेल्पलाइन नंबरों 112, 181,1090, 1076 इत्यादि के बारें में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. राधाकान्त पाण्डेय नें नारी शक्ति की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि,जहां पर नारियों की पूजा होती है वही पर देवता भी निवास करते हैं,वही डॉ बीना यादव ने महिला सुरक्षा को आवश्यक बताते हुए, देश के विकास में महिलाओं के योगदान को रेखांकित किया। डॉ.रंजीत सिंह ने अपने स्वागत भाषण के साथ –2 प्राचीन काल की विदुषी महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डालते हुए, महिला सशक्तिकरण को आज की आवश्यकता बताया ।डॉ. अमूल्य कुमार सिंह ने मुख्य अतिथि के स्वागत एवं माँ की ममता पर सुंदर कविताये प्रस्तुत की। महाविद्यालय में मिशन शक्ति के संयोजक डॉ संतोष कुमार सैनी ने मंच संचालन करते हुए प्राचीन काल से लेकर वर्तमान तक महिलाओंध्बेटियों की स्थिति,उनकी समस्याओं व उनके योगदान को रेखांकित करते हुए उन्हें समुचित सुरक्षा, सम्मान,भयमुक्त स्वस्थ स्वतंत्र माहौल व उनके अधिकार उन्हें प्रदान किया जाना आवश्यक बताया । डॉ. विभा पांडेय व डॉ. मीरा यादव ने महिला सुरक्षा व उनके उत्तम स्वास्थ्य पर चर्चा किया । कार्यक्रम व सेमिनार हाल को सुंदर, भव्य एवम आकर्षक बनाने का कार्य डॉ. वैशाली शुक्ला व डॉ. महीप द्वारा किया गया । सेमिनार का शुभारम्भ वर्णिका राय,फलक एवं दीक्षा द्वारा सरस्वती वंदना व शुभा एवं सीमा के स्वागत गीत के साथ किया गया। शिवानी दुबे, वर्णिका, फलक इत्यादि छात्राओं द्वारा महिला सशक्तिकरण,बेटी बचाओं–बेटी पढाओं, सशक्त नारी–सशक्त राष्ट्र इत्यादि शीर्षक पर सुंन्दर कविताओं को प्रस्तुत किया गया। अंत में सेमिनार में उपस्थित सभी प्राध्यापको,अतिथि गण छात्र–छात्राओं द्वारा महिलाओंध्बेटियों की सुरक्षा,शिक्षा ,सशक्तिकरण एवं स्वालम्बन के लिए तन,मन धन से समर्पित होकर कार्य करने की शपथ ली गई।कार्यक्रम में डॉ किशोर कुमार सिंह ने महिलाओं को शिक्षित करने व उनके अधिकार तथा सम्मान दिए जाने पर बल दिया।कार्यक्रम में डॉ सुनील कुमार,डॉ विकास कुमार,डॉ महीप कुमार,डॉ विजय प्रताप यादव,डॉ नीरज सिंह व कर्मचारी गण में प्रमोद कुमार केशरी,विकास कुमार,धर्मेंद्र कुमार,महेश कुमार पाण्डेय सहित रोवर्स रेंजर्स,एनएसएस, व एनसीसी समेत महाविद्यालय के अन्य छात्र–छात्राएं भी उपस्थित रहें।

भारतीय जनता पार्टी सोनभद्र की एक आवश्यक बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। भाजपा सोनभद्र की आवश्यक बैठक जिला कार्यालय पर हुई। बैठक में बतौर मुख्यअतिथि भाजपा जिला प्रभारी के0के0 सिंह मौजूद रहे बैठक का शुभारंम्भ पं0 दीनदयाल उपाध्याय व श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर मुख्यअतिथि के0के सिंह भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे द्वारा पुष्प अर्पित कर किया गया बैठक में बूथ सत्यापन की समीक्षा व आगामी 2022 विधानसभा चुनाव पर विस्तृत चर्चा करते हुए आगे की रणनीति तय की गयी। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे व संचालन जिला महामंत्री कृष्णमुरारी गुप्ता ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथि भाजपा जिला प्रभारी के0के0 सिंह ने 25 अगस्त से 31 अगस्त तक चलाये गये बूथ सत्यापन की गहन समीक्षा करते हुए कहा कि 25 सितंबर को पन्ना प्रमुख सम्मेलन होना निश्चित हुआ है बूथ पर पन्ना प्रमुख की भूमिका महत्वपूर्ण है 8 एवं 9 सितंबर को सभी मण्डलों में क्रमशः बैठक निश्चित की गयी है इसलिए सभी बूथों पर पन्ना प्रमुख पांच स्मार्टफोन की सूची व पांच मोटर साईकिल वाले कार्यकर्ताओं की सूची बनाकर अभी से तैयार रखना है मण्डलशः किये गये बूथ सत्यापन पर संतोष जताया और कहा कि हम सभी कार्यकर्ताओं की इच्छा है कि पुनः इस बार प्रदेश मे भारतीय जनता पार्टी की सरकार बने सभी विपक्षी दल एक मत होकर सिर्फ भाजपा को हराना चाहते है प्रदेश मे हो रहे तेजी से विकास मे अवरुद्ध करने का प्रयाय कर रहे है इसलिए हम सभी कार्यकर्ताओं को विपक्षियों द्वारा रचे जा रहे कुचक्र को करारा जवाब देना है। ताकि सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को लाभ ज्यादा से ज्यादा लोगो को मिले 2022 के विधानसभा चुनाव एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी की प्रचण्ड बहुमत से सरकार बन सके। बैठक की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने 285 शक्ति केन्द्रो के 1475 बूथ पर सत्यापन का कार्य आरंम्भ हुआ था उसमे से 1440 बूथो का सत्यापन पूर्ण कर लिया गया है सभी कार्यकर्ता बड़ी मेहनत करके बूथ बूथ पर जाकर बूथ सत्यापन का काम किया उन सभी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार प्रकट किया। और कहा कि चुनाव जितने के लिए बूथ समिति का होना बहुत जरुरी है जनता के बीच पहुंचने की पहली सीढी बूथ समिति ही है प्रदेश नेतृत्व मे जनता के बीच पहुंचकर केन्द्र व प्रदेश सरकार की योजनाओ को बताने के लिए जिले के भाजपा कार्यकर्ता मण्डलश कार्यकर्ताओं को जनता के बीच मे जाकर ईमानदारी पूर्वक बताना है। बैठक मे आये हुए सभी अतिथियों व कार्यकर्ताओं को धन्यवाद ज्ञापित किया।

बैठक मे मुख्यरुप से सदर विधानसभा प्रभारी बालेन्दुमणि त्रिपाठी, घोरावल विधानसभा प्रभारी लालबहादुर सिंह पटेल, ओबरा विधानसभा प्रभारी अरविन्द सिंह, दुद्धी विधानसभा प्रभारी संतोष शुक्ला, विस्तारक सुरेन्द्र दिनेश , पूर्व जिलाध्यक्ष तिरथराज, अशोक मिश्रा, आर0एन0पाठक, गोविन्द यादव, ओमप्रकाश दूबे, उदयनाथ मौर्य, अनिल सिंह गौतम, शिवकुमार गुप्ता, अजीत रावत, आलोक सिंह, रामसुन्दर निषाद, कृष्णमुरारी गुप्ता, अमरनाथ पटेल, जीत सिंह खरवार, दयाशंकर पाण्डेय, जगदीश बैसवार, शंम्भू नारायण सिंह जिला मिडिया प्रभारी अनूप तिवारी, मण्डल अध्यक्ष बलराम सोनी,राजबहादुर सिंह, महेन्द्र पाण्डेय, सुनील जायसवाल,दीपक दूबे, अरुण पाण्डेय, दिलिप मौर्य, राघो सिंह, धर्मेन्द्र शर्मा, सुनील पटेल, सतीश पाण्डेय, सुनील सिंह, प्रभाकर गिरी, अभिषेक विश्वकर्मा, मनोज सिंह बबलू, राकेश केशरी, प्रशान्त श्रीवास्तव, मोहर लाल खरवार आदि उपस्थित रहे।

चंदन मित्रा का निधन पत्रकारिता की अपूरणीय क्षतिःचन्द्र शेखर पाण्डेय,

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। पूर्व राज्यसभा सदस्य चंदन मित्रा जी के असामयिक निधन की सूचना ने हम सभी को मर्माहत कर दिया है। पायनियर के एडिटर इन चीफ चंदन मित्रा का असमय अवसान हो जाने पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए सोनभद्र निवासी नंई पीढ़ी के प्रदेश प्रभारी व वरिष्ठ समाजसेवी चन्द्र शेखर पाण्डेय ने कहां है कि मित्रा जी का निधन पत्रकारिता जगत व राजनीतिक क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। पाण्डेय ने यह भी कहा कि हिंदी और अंग्रेजी साहित्य तथा पत्रकारिता में समान अधिकार रखने वाले पूर्व राज्यसभा सदस्य चंदन मित्रा ने राजनीतिक क्षेत्र में भी अपनी एक अलग पहचान के लिए सदा याद किए जाते रहेंगे। वहीं नई पीढ़ी सोनभद्र के प्रभारी राम अनुज धर द्विवेदी ने भी शोक संवेदना व्यक्त किया व कहा कि मिडिया जगत में अपनी विशेष पहचान के लिए मित्रा जी हमेशा याद किए जाएंगे।

चार सोलर बैटरी के साथ तीन शातिर चोर गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। म्योरपुर थाना क्षेत्र के देवरी गावँ के समीप शुक्रवार को म्योरपुर पुलिस ने चोरी किये हुए चार सोलर बैटरी के साथ तीन शातिर चोरो को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया ।चोरी के आरोप में गिरफ्तार मनोज पुत्र बचनुराम निवासी नधिरा थाना बभनी,रोहित कुमार स्व. केवल निवासी महुली थाना बीजपुर व अशोक सोनी पुत्र मूसे निवासी देवरी थाना म्योरपुर को मु.आ.स.56ध्2021 धारा 411ध्413ध्414 भा.द.वि. के तहत चालान कर जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तार करने वाले टीम में उपनिरीक्षक ओमप्रकाश सिंह व लिलासी चौकी इंचार्ज कुमार सन्तोष व पुलिस कांस्टेबल शामिल रहे।

अरवल पुलिस ने चार लोगों को जुआं खेलते दबोचा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हरदोई (हरपालपुर)। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपराधों पर नियंत्रण के लिए अपराधियो के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार को अरवल पुलिस ने चार लोगों को जुआं खेलते समय दबोच लिया। अरवल पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर थाना क्षेत्र के चांदापुर गांव में अचानक छापा मारकर शेखापुर गांव निवासी वीरपाल पुत्र चोखेलाल, संजय पुत्र रामऔतार, बारी गांव निवासी शिवप्रताप सिंह पुत्र रामनाथ, हरपालपुर थाना क्षेत्र के धर्मपुर गांव निवासी जय जयराम पुत्र रामस्वरूप को ताश के पत्तो से हार जीत की बाजी लगाते हुए जुआं खेलते समय गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किये गए आरोपितों के खिलाफ पुलिस ने जुआ अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत कर लिया।

नगर पंचायत कछौना में रोस्टर के अनुसार हो रहा है एंटी लार्वा का छिड़काव

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हरदोई (कछौना)। शासन एवं जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में बरसात के मौसम के दौरान व उसके उपरांत फैलने वाले डेंगू बुखार के संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुए नगर पंचायत कछौना पतसेनी की अधिशासी अधिकारी सुश्री रेणुका यादव द्वारा प्रतिदिन दो वार्डो में रोस्टर बनाकर एंटी लार्वा का छिड़काव कराया जा रहा है। इसके साथ ही नागरिकों से अपील की जा रही है कि अपने अपने घरों के फ्रिज के पीछे बॉक्स में जमे पानी को नियमित रुप से साफ करते रहें और साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें।

नगर पालिका की भूमि को कराया गया कब्जा मुक्त

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हरदोई (पिहानी)। शासन के आदेशों के अंतर्गत जिलाधिकारी द्वारा मासिक समीक्षा बैठक में दिये गए निर्देशों के अनुपालन में उप जिलाधिकारी शाहाबाद के निर्देशन में गठित राजस्व टीम द्वारा नगर पालिका परिषद पिहानी सीमान्तर्गत सरकारीध्पालिका भूमि का चिन्हांकन किया गया। जिसमें गाटा संख्या 333 व 334 स्थित मोहल्ला मीरसराय में अस्थायी कब्जे को पालिका द्वारा अभियान चलाकर हटवाते हुए पालिका भूमि को अपने नियंत्रण में लिया गया और उस पर पालिका संपत्ति का बोर्ड लगाया गया। नगर पालिका द्वारा अपनी सीमान्तर्गत समस्त व्यक्तियों को पुनः सूचना दी कि पालिकाध्सरकारी भूमि पर अवैध कब्जाध्अतिक्रमण न करें। यदि कोई व्यक्ति ऐसा करते पाया जाता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

5 सितम्बर से होगा कार्ड धारकों को निशुल्क खाद्यान्न वितरण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हरदोई। जिला पूर्ति अधिकारी संजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि माह सितम्बर 2021 में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अन्तर्गत माह के प्रथम चक्र मे खाद्यान्न वितरण की अवधि 05 तारीख से 15 तारीख तक नियत की गयी है। कार्ड धारकों का अगूठा मैच न होने अथवा अन्य कारणों से बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण न हो पाने के कारण प्राक्सीध्ओटीपी के माध्यम से खाद्यान्न वितरण की तिथि 15 रखी गयी है। योजना के अन्तर्गत पोर्टेबिलिटी की सुविधा अनुमन्य रहेगी। योजना के अन्तर्गत समस्त कार्डो पर प्रति यूनिट 03 किग्रा गेहू एवं 02 किग्रा चावल का वितरण निःशुल्क किया जायेगा।

धारदार हथियार से हमला युवक घायल पीड़ित परिजनों ने लगाई न्याय की गुहार

सीएचसी डॉक्टर ने चिकित्सीय परीक्षण के नाम पर की लीपापोती

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हरदोई/टडियावा। प्रशासन की लचर कानून व्यवस्था के चलते आएदिन क्राइम बढ़ते जा रहा है।लेकिन क्षेत्रीय पुलिस की घटिया रवैया के कारण जिला मुख्यालय आने को पीड़ित विवश हो रहे है ऐसा ही एक मामला है टडियावा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत नरायनपुर ग्रट के मजरा लाला पुरवा का सामने आया है जहां पर हमलावरों ने जबरदस्ती विपिन के खेत में यूकेलिप्टस के पेड़ में तार लगा रहे थे तो विपिन के द्वारा मना करने पर विपक्षीगणों ने विपिन पुत्र रामऔतार के ऊपर हमला बोल दिया और धारदार हथियार से प्रहार करते हुए लहूलूहान कर दिया इसी बीच बचाव कर रहे पिता को भी मारा पीटा जिसकी शिकायत परिजन थाना टडियावा में लेकर पहुंचे तो थाना प्रभारी टडियावा द्वारा युवक की हालत नाजुक देखते उसे चिकित्सकीय परीक्षण हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टडियावा भेज दिया इसी बीच विपक्षियों ने थाना पुलिस से सांठगांठ कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक से भी सांठगांठ कर ली और साधारण धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करा दिया जबकि पीड़ित का आरोप है कि उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से जिला चिकित्सालय हरदोई के लिए रेफर कर दिया गया था लेकिन सांठगांठ होने के कारण सीएचसी अधीक्षक द्वारा उसे पुनः आधे रास्ते से लौटा कर उसकी साधारण मेडिकल रिपोर्ट तैयार कर दी जब इस बात की जानकारी परिजनों को हुई तो वह तत्काल जिला अधिकारी व पुलिस अधीक्षक के सामने अपनी फरियाद रखने के लिए मुख्यालय पहुंचे तो वहां पर सीओ सिटी द्वारा उल्टा परिजनों के ऊपर एक्शन में आते हुए दिखे जबकि सीओ सिटी को मीडिया के कैमरे की जरा भी परवाह नहीं थी मीडिया के कैमरे के सामने सीओ सिटी ने परिजनों को काफी धमकाया शासन प्रशासन की सांठगांठ से प्रतीत होता है कि जनपद में किस तरीके का माहौल व्याप्त है और आम जनमानस किस प्रकार सुरक्षित है जबकि पीड़ित की हालत नाजुक बनी हुई देख जिला चिकित्सालय में डॉक्टर ने भर्ती कर पीड़ित विपिन कुमार के सर में घाव गहरा होने के कारण 26 टांके लगाए जबकि पीड़ित की धारदार हथियार के प्रहार से जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है और तत्काल लखनऊ के लिए रिफर कर दिया था। लेकिन पीड़ित के पास लखनऊ जाने भर के लिए बेवस्था नही कर पाए।इसलिए सर्जन डॉ से अपनी समस्या बताकर भर्ती रहने के लिए कह दिया और सुचारू रूप से इलाज चल रहा है। प्रशासन के भ्रष्ट सिस्टम से पीड़ितों को जनपद में न्याय नहीं मिल पा रहा है या फिर पीड़ित को पुनः चिकित्सा परीक्षण के लिए मेडिकल रिपोर्ट तैयार कराने के आदेश देते है। बल्कि घायल युवक विपिन के सिर में गहरा घाव 26टांके लगे हैं ।भ्रष्ट अधिकारियों के चलते हल्की धारा 323, 504.506.मे मुकदमा दर्ज कर लिया गया। और पुलिस ने कार्यवाही कर पल्ला झाड़ लिया। उधर घायल युवक जिंदगी और मौत से लड़ रहा है।

नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने भेजा जेल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

करमा/सोनभद्र। थाना क्षेत्र अंतर्गत आंगन वाड़ी कार्य करती पद पर नियुक्ति दिलाने का प्रलोभन देकर , अवैध तरीके से धन की मांग करने की शिकायत पर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मुकदमा दर्ज कर ,दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि 02 सितंबर को पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 103 ध 21 धारा 420 आईपीसी से संबंधित अभियुक्त गण राजेश कुमार सिंह पुत्र लल्ला सिंह निवासी अहरौरा मिर्जापुर हाल पता न्यू कॉलोनी रावटसगंज जनपद सोनभद्र , विनोद कुमार मौर्या पुत्र राम पलट निवासी ग्राम मुसही थाना रावटसगंज सोनभद्र को पगिया मोड़ करमा से उपनिरीक्षक शेषनाथ यादव मय फोर्स गिरफ्तार कर, आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय रवाना किया गया है।

बुखार पीड़ित बच्चों को देखने अस्पताल पहुंचे मंडलायुक्त

दैनिक बुद्ध का सन्देश

कानपुर। जिले में बुखार और डेंगू के बढ़ते कहर को देखते हुए शुक्रवार सुबह 11 बजे मंडलायुक्त डा. राजशेखर एलएलआर अस्पताल (हैलट) पहुंचे। बुखार पीड़ित बच्चों के इलाज का हाल जानने के लिए मेटरनिटी विंग स्थित पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट (पीआइसीयू) की स्थिति देखी। वहां की इलाज व्यवस्था देखकर संतुष्टि जताई। मंडलायुक्त डा. राजशेखर ने कहा कि डाक्टर बच्चों का इलाज कर रहे हैं जरूरी दवाएं भी हैं। बच्चों के लिए 120 बेड थे, जिन्हें बढ़ाकर 144 कर दिया है। एक सप्ताह में बेड बढ़ाकर 200 कर दिए जाएंगे। जैसे जैसे बुखार पीड़ित बच्चों की संख्या बढ़ेगी मेटरनिटी विंग में बेड बढ़ाते जाएंगे। मंडलायुक्त डा. राजशेखर, अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डा. जीके मिश्रा और सीएमओ डा.नेपाल सिंह के साथ बुखार पीड़ित बच्चों का हाल जानने के लिए एलएलआर अस्पताल पहुंचे। सबसे पहले मेटरनिटी विंग के तीसरी मंजिल स्थित पीआइसीयू गए। मंडलायुक्त को प्राचार्य प्रो. संजय काला, बाल रोग विभागाध्यक्ष प्रो. यशवंत राव और डा. नेहा अग्रवाल से बच्चों की स्थिति और इलाज के बारे में जानकारी की। उन्हें बताया गया कि दवाओं की उपलब्धता और सुविधाएं पर्याप्त हैं। अगर बच्चे बढ़ते हैं तो उन्हें भर्ती कर इलाज करने की व्यवस्था है। वहां की व्यवस्था से संतुष्ट मंडलायुक्त एलएलआर इमरजेंसी पहुंच गए। वहां की स्थिति देखी और मेडिसिन आइसीयू भी देखा और मरीजों से इलाज के बारे भी जानकारी ली। इस दौरान मंडलायुक्त ने ई फार्मेसी से इमरजेंसी आइसीयू और सभी वार्डों को जोड़ने का निर्देश दिया। इस पर प्राचार्य प्रो. संजय काला ने एक माह में पूरी तरह क्रियाशील करने की बात कही है। मंडलायुक्त ने हर हाल में दवाओं की आनलाइन इंडेंट व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस दौरान जीएसवीएम मेडिकल कालेज के प्राचार्य प्रो.डॉ.संजय काला, प्रमुख अधीक्षक प्रो.आर.के. मौर्या, सीएमएस डा. शुभ्रांशु शुक्ला एवं बाल रोग अस्पताल के सीएमएस डा. मनीष यादव साथ रहे। इमरजेंसी से निकलने के बाद मंडलायुक्त डा. राजशेखर को लेकर एलएलआर कैंटीन के समीप स्थित कर्मचारी वाहन स्टैंड की जगह पर प्रस्तावित पंजीकरण काउंटर की जगह प्राचार्य प्रो. संजय काला ने उन्हें दिखाई। बताया कि मरीजों की अत्याधिक भीड़ होने से दिक्कत होती है। कोविड प्रोटोकाल का पालन नहीं हो पाता है। इसलिए 12 पंजीकरण काउंटर बनाने का प्रस्ताव तैयार कराया गया है।

राष्ट्रीय महासचिव सुषमा मौर्या का आगमन 5 को

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। जन अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सुषमा मौर्या का सोनभद्र मे 05 सितम्बर को आगमन होना सुनिश्चित है । वे रावर्ट्सगंज के स्वामी विवेकानन्द प्रेक्षा गृह में बाबू जगदेव प्रसाद के सहादत दिवस पर प्रातः 11 बजे से आयोजित श्रद्धांजलि सभा मे बतौर मुख्य अतिथि सामिल होंगी। इस आशय की जानकारी मण्डल अध्यक्ष भागीरथी सिंह मौर्य ने प्रेस को जारी बयान में दिया ।

डेंगू रोग की रोकथाम हेतु घरो के आस–पास गन्दगी न फैलायें

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हरदोई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा० सूर्यमणि त्रिपाठी ने बताया कि बरसात के मौसम के दौरान व उसके उपरान्त डेंगू रोग फैलने की सम्भावना अधिक हो जाती है। इसके लक्षण सर्दी के साथ अचानक तेज बुखार एवं सिर दर्द, मांसपेशियो एवं जोड़ो में दर्द, आखों के पीछे दर्द, जी मिचलाना गंभीर मामलों में नाक, मुंह, मसूड़ो से खून आना, त्वचा में चकत्ते पड़ना तथा कुछ खाने पीने में गले में सूजन के कारण अत्यधिक दर्द होना डेंगू रोग एडीज मच्छर के काटने से होता है। एडीज मच्छर हमारे घरों के भीतर ही साफ पानी मे पनपता है।डेंगू रोग की रोकथाम हेतु घरो के आस–पास गन्दगी न फैलायें, घर के आस–पास जमा पानी मे मिट्टी तेल का छिड़काव करें, कूलर सप्ताह मे एक बार साफ करें, मच्छर दानी का प्रयोग करे।

मिशन शक्तिअभियान के तहत पुलिस ने किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का सन्देश
करमा/सोनभद्र। मिशन शक्ति अभियान के तहत स्थानीय थाना क्षेत्र के गांव भरकवाह स्थित बाबा बिहारी इण्टरमीडिएट कालेज भरकवाह में महिला कांस्टेबल रेखा यादव उप निरीक्षक रविन्द्र प्रसाद , हेड कांस्टेबल मनीराम सिंह , कांस्टेबल राजेश यादव ने स्कूली छात्राओं को जागरूक किया गया। इस मौके पर थाने की महिला कांस्टेबल रेखा यादव ने छात्राओं से कहा कि आप निर्भीक होकर बिना किसी भय या संकोच के अपने या अपने महिला समाज के साथ किए जा रहे अभद्रता,अश्लीलता, अभद्र भाषा बोलने वालो का खुलकर विरोध करें। यदि आप के या विद्यालय के अथवा गांव के किसी महिला या लड़की के साथ अन्याय हो रहा है तो आप महिला हेल्प लाइन नंबर पर फोन कर शिकायत दर्ज कराएं। आप का नाम, आप का पता गोपनीय रखा जाता है, और उस अन्याय करने वाले मनचलों, शोहदों के विरूद्ध कार्यवाही की जाती हैं। उन्होंने ने महिला हेल्प लाइन नंबर को नोट कराया, और अपना तथा कर्मा थाना क्षेत्र के बिट इंचार्ज उप निरीक्षक व थाना प्रभारी का भी मोबाइल नंबर नोट कराया। ग्राम प्रधान विकास सिंह ने कहा कि हर छात्राओं को किसी भी परिस्थिति का सामना करना पड़े तो घबड़ाना नहीं चाहिए । निडर होकर मुकाबला करना चाहिए । बिना भय संकोच के पुलिस से तथा अपने परिवार के लोगों से बात करें । इस अवसर पर प्रबंधक बी एन यादव, अनरूद्ध प्रसाद ,पूनम मौर्या, अशोक कुमार आदि उपस्थित रहे ।

हर व्यक्ति को मुआवजे का हक, हमारी प्रतिज्ञा, हमारा संकल्पः आशु

.घोरावल विधानसभा में कल से गांव में जाकर इस महामारी में मृतक लोगों की जानकारी प्राप्त करना है प्राथमिकता

दैनिक बुद्ध का सन्देश
सोनभद्र। भारतीय युवा कांग्रेस के पूर्व–जिला अध्यक्ष आशुतोष कुमार दुबे (आशु) के साथ उनके सहयोगियों ने रॉबर्ट्सगंज नगर के वार्ड नंबर 07 में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि हर व्यक्ति अपने अधिकारों को पाने का हकदार है इस करोना महामारी में जहां एक और किसी के पिता,किसी की मां,किसी का बेटा,किसी की बहन, किसी की बहू, किसी के परिवार का को चलाने वाला व्यक्ति, इस तरह के तमाम लोग उन्हें छोड़ कर चले गए जिनमें तमाम लोगों का दैनिक जीवन काफी कठिनाइयों से गुजर रहा है,जैसा कि हम लोग को शिर्ष नेतृत्व से ज्ञात हुआ कि दैविक आपदा में मृतक लोगों को ध्400000 का मुआवजा सरकार द्वारा दिया जाता है, लेकिन तमाम ऐसे लोग गांवध्सहर में आज भी हैं जो इस आपदा में अपनों को छोड़ कर चले गए उनका परिवार कठिनाइयों का सामना कर रहा है और उन्हें सहायता राशि भी नहीं प्राप्त हुई है। आशू दुबे ने कहा कि मुझे घोरावल विधानसभा में गांव में जाकर लोगों से मिलना है अपने साथियों के मदद से उनकी मौजूदा स्थिति को जानना है व फॉर्म भरवाकर है उसको सबमिट कर प्रदेश नेतृत्व को देना है।

यह कार्य आगे आने वाले 15–20 दिनों के अंदर कर लेना है ,मैं अपने सारे साथियों का आवाहन करते हुए आम जनमानस से सहयोग की अपील करता हूँ कि इस अभियान में जुड़ें और हमारा सहयोग करते हुए वास्तविकता बताएं ,ताकि उनका अधिकार हम उनको दिलवा सके। फॉर्म भरने के बाद हम इसको अपने शिर्ष नेतृत्व को देदेंगे ।नेतृत्व सरकार से मुआवजे की बात करेगा अगर सरकार देती है तो ठीक नहीं नही तो 2022 में होने वाले चुनाव में अगर कांग्रेस पार्टी की सरकार बनती है तो उन सारे लोगों को जिनका फॉर्म सबमिट हो जाएगा इन सारे लोगों को मुआवजा दिलवाने का काम पार्टी करेगी ।मुख्य रूप से उपस्थित रहने वालों में मनोज मिश्रा ,मिकाइल खान, ओम प्रकाश राम इंद्रजीत शुक्ला,श्रीकांत मिश्रा ,रमेश प्रसाद, राजेंद्र चौहान, अंशु मद्धेशिया, सौरभ पांडेय,गौतम आनंद उपस्थित रहे। कोरोना महामारी में मरे लोगों को दैविक आपदा में दिए जाने वाला सहायता राशि को कांग्रेस ने लिया दिलवाने का संकल्प 15–20 दिनों में घोरावल विधानसभा में पूरी की जाएगी प्रक्रिया

कोविड काल में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए गोंदलामऊ सीएचसी अधीक्षक सम्मानित

राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र भेंटकर किया सम्मानित

सीतापुर। निष्ठा, समर्पण और सेवाभाव से यदि कोई काम किया जाए तो उसके दूरगामी परिणाम बेहद सुखद होते हैं। इस बात को सच साबित कर दिया है गोंदलामऊ सीएचसी अधीक्षक डा. धीरज मिश्रा ने। कोविड काल के दौरान आमजन और कोविड उपचाराधीन मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलबध कराने के लिए उनके द्वारा किए गए तमाम प्रयासों से क्षेत्रीय ग्रामीणों को तो लाभ मिला हीए साथ ही उनके इन उत्कृष्ट कार्यों के लिए उन्हें सम्मानित भी किया गया। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह सभागार में गत दिनों आयोजित एक अभिनंदन समारोह में राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने उन्हें स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र और बुके देकर सम्मानित किया। इस समारोह में केंद्रीय मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय, गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा, प्रदेश सरकार के मंत्री वीरेंद्र तिवारी सहित हनुमानगढ़ी अयोध्या के मुख्य महंत राजूदास भी मौजूद रहे। डा. धीरज को यह सम्मान कोविड काल में उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए दिया गया। सनद रहे कि कोविड काल के दौरान गांव.गांव भ्रमण कर लोगों को कोरोना से बचाव के लिए कोविड.19 प्रोटोकाल का पालन करने के लिए जागरूक किया। इसके बाद जब कोविड टीकाकरण का काम शुरू हुआ तो भी उन्होंने इसके लिए लोगों को जागरूक किया। शायद यही वजह है कि गोंदलामऊ ब्लॉक आज भी कोविड टीकाकरण में जिले में पहले स्थान पर बना हुआ है। हाल ही में आयोजित हुए कोविड वैक्सीनेशन के मेगा कैंप में भी गोंदलामऊ सीएचसी पहले स्थान पर रहा है। कोविड संक्रमण के दौरान सीएचसी अध्ीक्षक डॉ धीरज मिश्रा ने सभी उपचाराधीन मरीजों का एक ग्रुप बनाया इस ग्रुप के माध्यम से उन्होंने मरीजों को चिकित्सीय सलाह देने का काम किया। उन्होंने कोरोना के उपचाराधीन मरीजों को कोविड प्रोटोकाल की जानकारी देने के साथ ही जीवन शैली, व्यवहार और खानपान में बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा उन्होंने लॉकडाउन के दौरान सीएचसी के सभी चिकित्सकों के साथ ही होम्योपैथिक और आयुर्वेदिक चिकित्सकों को शामिल करते हुए एक दूसरा वाट्सएप ग्रुप भी बनाकर उसका जमकर प्रचार.प्रसार कराया। इस ग्रुप के माध्यम से उन्होंने टेलीमेडिसिन शुरू किया। इस ग्रुप पर लोग अपनी बीमारी के लक्षण लिखते थे। आवश्यकता होने पर संबंधित चिकित्सक मरीज से वीडियो काल कर उसका हालचाल जानते थे और उन्हें दवाएं बताते और अन्य आवश्यक चिकित्सीय सलाह भी देते थे। सीएचसी अधीक्षक डा. धीरज मिश्रा ने बताया कि मैंने यह सब किसी पुरस्कार या सम्मान के लिए नहीं बल्कि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए किया था। लेकिन इसके एवज में मुझे जो सम्मान मिला है उसके हमारा उत्साह और हमारी जिम्मेदारी और बढ़ी है। यह सम्मान भविष्य में हमें और बेहतर करने की प्रेरणा देगा।

घर से लापता व्यापारी का शव तालाब के पास मिला

दैनिक बुद्ध का सन्देश
कानपुर।जनपद के चकेरी से लापता कपड़ा व्यापारी का शव बाबूपुरवा स्थित डिग्गी तालाब के पास मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने हत्या की आशंका पर फॉरेंसिक टीम बुलाकर साक्षी एकत्रित किए। घटना की जानकारी के बाद परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।चकेरी के कृष्णा नगर निवासी 65 वर्षीय लक्ष्मण दास भाटिया की जनरल गंज में कपड़े की दुकान है। भतीजे अमित ने बताया कि वह रोज की तरह गुरुवार को दुकान गए थे। रात को जब वह घर नहीं लौटे तो उनकी तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद भी जब उनके बारे में कुछ पता कुछ पता नहीं चला तो देर रात चकेरी थाने में उनकी गुमशुदगी दर्ज कराई। जिसके बाद शुक्रवार को दोबारा वह लोग उनकी तलाश कर रहे थे तभी उन्हें बाबू पुरवा स्थित डिग्गी तालाब के पास एक शव मिलने की जानकारी हुई। पहुंचकर देखा तो शव उनके चाचा का निकला। लापता व्यापारी का शव मिलने की जानकारी होने पर चकेरी और बाबू पुरवा पुलिस ने जांच पड़ताल की साथ ही हत्या की आशंका पर फॉरेंसिक टीम बुलाकर साक्ष्य एकत्रित किए। चकेरी थाना प्रभारी मधुर मिश्रा ने बताया कि मृतक की साइकिल बाबूपुरवा में स्थित वारिस हॉस्पिटल के बाहर मिली है। वहीं अस्पताल में लगे सीसीटीवी फुटेज में दो लड़के ई–रिक्शा से उन्हें अस्पताल लाते हुए दिखे हैं। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि दो लड़के उन्हें भर्ती कराने के लिए लाए थे, लेकिन उनकी हालत नाजुक होने पर उन्हें सरकारी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया था। वहीं उनका मोबाइल भी सुजातगंज में एक शख्स को पड़ा हुआ मिला था जिसे स्वजन को सौंप दिया गया है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि संभवत व्यापारी का रास्ते में एक्सीडेंट हो गया होगा जिसके बाद दोनों युवक उन्हें भर्ती कराने के लिए लाए होंगे। हालांकि बाद में शायद उन युवकों ने व्यापारी को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराने की बजाय रास्ते में ही छोड़ दिया होगा। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही व्यापारी की मौत का कारण स्पष्ट होगा। वहीं सीसीटीवी फुटेज के आधार पर युवकों की तलाश की जा रही है।

जिला विकास समन्वयक एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) की बैठक संपन्न

दैनिक बुद्ध का सन्देश
हरदोई। जिला विकास समन्वयक एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) की बैठक विकास भवन के स्वर्ण जयंती सभागार में सांसद जय प्रकाश रावत की अध्यक्षता में आहूत की गयी। बैठक के प्रारम्भ में सांसद मिश्रिख अशोक रावत ने एक दिन पहले बैठक एजेण्डा बिना पिछली बैठक की कार्यवृत्ति के प्राप्त होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अध्यक्ष से बैठक स्थगित करने को कहा। इस पर अध्यक्ष ने जिला विकास अधिकारी को निर्देश दिये कि इस प्रकार की त्रुटि न होने दें और बैठक की सूचना जनप्रतिनिधियों को एक सप्ताह पूर्व उपलब्ध करायें, इस पर जिला विकास अधिकारी ने जनप्रतिनिधियों से खेद प्रकट किया तथा आश्वासन दिया कि इस प्रकार की वृत्ति नहीं होगी।बैठक में नहर की विभाग की ब्रांच उन्नाव एवं शाहजहांपुर जनपद में पड़ने वाली नहरों से रजबहों के टेल तक पानी नहीं पहुंचने तथा ऐचांमऊ आदि की पुलियों के निर्माण में लापरवाही एवं समय पर जनप्रतिनिधियों को जानकारी न देने की शिकायत पर अध्यक्ष ने शारदा नहर ब्रांच उन्नाव से आये अधिकारी को निर्देश दिये कि समस्त स्वीकृत पुलियों का निर्माण तत्काल प्रारम्भ करायें और पूर्ण कार्यो की जानकारी जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध करायें। बैठक में सांसद मिश्रिख एवं विधायकों ने कहा कि पंचायत राज विभाग के अधिकतर सचिव अनुपस्थित रहते है तथा कार्यशैली ठीक नहीं है। इस प्रकरण पर अध्यक्ष ने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिये कि अनुपस्थित रहने, कार्यशैली ठीक न होने तथा कार्य में लापरवाही करने वाले सचिवों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिये कि ग्राम प्रधानों से समन्वय बनाकर ग्रामों के विकास कार्यो में तेजी लायें। बैठक में सांसद अशोक रावत ने अध्यक्ष को बताया कि ब्लाक भरावन में पूर्व ब्लाक प्रमुख के नाम पर सचिव सहित तीन लोगों द्वारा कार्य कराकर पत्थर लगवाया गया है, इस प्रकरण को गंभीरता से लेने हुए अध्यक्ष ने जिलाधिकारी को निर्देश दिये इस कृत्य में शामिल तीनों लोगों पर विभागीय कार्यवाही कराना सुनिश्चित करें।

महापौर ने डेंगू व वायरल फीवर से मृत बच्चों के परिजनों को दी सांत्वना

फिरोजाबाद। नगर निगम की महापौर नूतन राठौर ने नगर में संक्रामक रोग डेंगू व वायरल फीवर से जिन बच्चों की मृत्यु हुई है उनके परिवारजनों से मिलकर सांत्वना दी है।

नगर निगम की महापौर नूतन राठौर गुरूवार को करबला निवासी गुड्डू के पुत्र रिषभ, मोहल्ला संत नगर में अतेन्द्र उर्फ गुड्डू के पुत्र हर्ष, सुदामा नगर में मनोज वर्मा की पुत्री मनु, सत्य नगर में मनोज की पुत्री अनुष्का, जैन नगर में शशिकान्त की पुत्र शगुन व अम्बेडकर नगर में नीरज की पुत्री मनीषा भारती के निधन पर उनके घर जाकर परिजनों से बच्चों की मृत्यु की विस्तृत जानकारी कर परिवारजनों को सांत्वना प्रदान की है। इसके अतिरिक्त महापौर ने मोहल्ला सुदामा नगर में घर–घर जाकर कूलरों में लगी पुरानी घास को नष्ट कराया तथा टंकियों में भरे पानी को साफ कराया।

वही महापौर नूतन राठौर व नगर आयुक्त प्रेरणा शर्मा ने डेंगू व वायरल फीवर पर रोकथाम के लिये नगर निगम के बार्डो मे तथा टंकियों में भरे पानी को साफ कराया। वही महापौर नूतन राठौर व नगर आयुक्त प्रेरणा शर्मा ने डेंगू व वायरल फीवर पर रोकथाम के लिये नगर निगम के बार्डो में फॉविंग मशीने भेजकर फॉविंग करायी है। इस दौरान पार्षदगण मौजूद रहे।

ई–रिक्शा चालक लापता, दी तहरीर

शिकोहाबाद । बुढ़रई रोड निवासी सतीशचंद्र प्रजापति ने थाने में तहरीर दी है, जिसमें उसने कहा है कि उसका भतीजा अजय उर्फ कल्लू (30) पुत्र स्व. ग्रीशबाबू 26 अगस्त को अपना ई रिक्शा लेकर घर से गया था, लेकिन आज तक लौट कर नहीं आया है। जब परिवारीजनों ने उसकी तलाश की तो उसका कोई पता नहीं चला। उसका ई–रिक्शा आबू अतुर्रा गांव के पास खड़ा मिला। पीड़ित ने भतीजे के साथ अनहोनी की आशंका व्यक्त करते हुए उसको तलाशने के लिए गुहार लगाई है। इस संबंध में पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

मोबाईल सीडीआर ने खोली खाकी की पोल, पुलिस और अपराधियों के बीच लगातार होती थी बातचीत

दैनिक बुद्ध का सन्देश
कानपुर। के बहुचर्चित बिकरु कांड की जांच में न्यायिक आयोग ने सभी पहलुओं पर बहुत ही बारीकी से जांच पड़ताल की है। उसके बाद निष्कर्ष पर पहुंची आयोग की रिपोर्ट में सभी सबूत भी शामिल किए गए हैं। दोषी पाए गए पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को सबूत के साथ अपराधियों से सांठगांठ करने और उनसे संपर्क में बने रहने का आरोपी बनाया गया है। जिसके लिए दोषी ठहराए गए सभी पुलिसकर्मियों को अपना पक्ष रखने का भरपूर मौका भी दिया गया। उनके पक्ष को सुनने के बाद ही आयोग इस निष्कर्ष पर पहुंचा की सभी पुलिसकर्मी दोषी हैं। बिकरू कांड में दोषी मिले पुलिस कर्मियों और आरोपियों के मोबाइल फोन की काल डिटेल रिपोर्ट आधार बनी है। अपनी रिपोर्ट में सीडीआर को न्यायिक आयोग ने तलब की थी। जिसमें अफसरों के आरोपितों से बातचीत के कई साक्ष्य सामने आये हैं। यही साक्ष्य इनके खिलाफ कार्रवाई का कारण बने है। इस रिपोर्ट के मुताबिक जय बाजपेयी की पूर्व डीआइजी अनंतदेव और इंस्पेक्टर राममूत यादव से लगातार बात होती थी। इसी तरह से विनय तिवारी और के.के.शर्मा भी विकास दुबे के संपर्क में थे। दर्जनों बार बातचीत के साक्ष्य पाए गए हैं। पुलिस कर्मियों की यदि गैंगेस्टर विकास दुबे से साठगांठ न होती तो शायद बिकरुकाण्ड भी नही होता। विकास दुबे को पुलिस की दबिश की जानकारी के बाद ही सीओ सहित पुलिस कर्मियों की हत्या की साजिश रची गयी और इतनी बड़ी घटना को अंजाम दिया गया। जांच आयोग को मिली विकास दुबे के कॉल डिटेल से यह बात साबित हुई है कि गैंगेस्टर की पुलिस कर्मियों से बात हुई थी।

नई पीढ़ी के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका– शिवेंद्र प्रकाश द्विवेदी

दैनिक बुद्ध का सन्देश
सोनभद्र। नई पीढ़ी के नव निर्माण की बात बिना शिक्षक के अधूरी है। आधुनिक दौर में हमारे शिक्षक कैसी नई पीढ़ी चाहते हैं।

बदलते परिवेश में क्या शिक्षक नई पीढ़ी के मनोविज्ञान को भलीभांति समझ पा रहे हैं, अथवा क्या शिक्षक नई पीढ़ी के प्रति अपने दायित्व बोध का सही निर्वहन कर रहे हैं, या फिर नई पीढ़ी शिक्षकों के प्रति अपने दायित्व का सही निर्वहन कर पा रही है? आखिर हम कैसा समाज बना रहे हैं? कैसी नई पीढ़ी बना रहे हैं यह एक गंभीर विमर्श का विषय है! उपरोक्त बातों को नई पीढ़ी पत्रिका के संपादक शिवेंद्र प्रकाश द्विवेदी ने कही। साथ ही द्विवेदी जी ने कहा कि इसीलिए 'नई पीढ़ी के नव निर्माण में शिक्षकों की भूमिका' विषय पर "नई पीढ़ी" व 'राइटर्स एंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन' साथ मिलकर देश भर के तमाम शहरों में शिक्षकों के बीच इस ऑनलाइन परिचर्चा को ले जा रही है । इस कालखंड में इन परिचर्चाओं के दौरान शामिल हुए विभिन्न शिक्षकों के विचारों को "नई पीढ़ी" द्वारा विशेषांक की शक्ल में प्रकाशित करने की योजना है । जिससे वर्तमान काल खंड में हमारा, देश, समाज व नई पीढ़ी उसमें अपना अक्स देख सके ! नई पीढ़ी के प्रदेश प्रभारी चन्द्र शेखर पाण्डेय ने कहा कि इस विषय पर एक वेबिनार का आयोजन रविवार को किया गया है जिससे देश के जाने माने विद्वान शिक्षकों द्वारा भाग लिया जाएगा। उपरोक्त कार्यक्रम से समाज में एक नई ऊर्जा मिलेगी, जिससे प्रेरित होकर अभिभावकों व बच्चों को नई सीख मिलेगी। इस कार्यक्रम की अनेक लोगों द्वारा प्रशंसा किया जा रहा है।

डीएम ने बैठक कर जनपद में डेंगू, मलेरिया व वायरल बुखार की रोकथाम व प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के लिए दिए निर्देश

फिरोजाबाद। जनपद में डेंगू, मलेरिया व वायरल बुखार की रोकथाम व प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उददेश्य से जिलाधिकारी चंद्रविजय सिंह की अध्यक्षता में गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभागार में लखनऊ से आयी पांच सदस्यीय टीम एवं सभी एसडीएम, वीडीओ, खण्ड शिक्षाधिकारी, एमओआईसी, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका व नगर पंचायत, सीडीपीओ सहित सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी। बैठक के दौरान नगरीय क्षेत्र के साथ–साथ जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में भी डेंगू, मलेरिया व वायरल बुखार की रोकथाम व प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के लिए गम्भीरता से मंथन किया गया और कार्ययोजना बनाकर तत्काल लागू करने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने डेंगू, मलेरिया व वायरल बुखार जैसी आपदा के समय में अपने कार्य में लापरवाही व शिथिलता बरते जाने पर प्रभारी चिकित्साधिकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सैलई डा0 गिरीश श्रीवास्तव, प्रभारी चिकित्साधिकारी डा0 सौरभ प्रकाश व पब्लिक हैल्थ एक्सपर्ट डा0 रूचि यादव को तत्काल प्रभाव से निलम्बित करने के निर्देश मुख्य चिकित्साधिकारी को दिए। बैठक के दौरान उन्होने निर्देश दिए कि जनपद में अगले एक माह तक कूलर में पानी भरना पूरी तरह प्रतिबंधित किया जाता है। उन्होने कूलर की टंकी को धूप में सुखाकर उल्टी कर रख देने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका व नगर पंचायतों को निर्देश दिए कि वह अपने क्षेत्र के सभासद के सहयोग से व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाकर घर–घर जाकर कूलर, पॉटस व पुराने बर्तनों में जमा पानी खाली करवाऐं एवं आस–पास की गंदगी, नालियों की साफ–सफाई, फोगिंग, एण्टी लार्वा का छिडकाव कराऐं। उन्होने निर्देश दिए कि एएनएम, आगंनबाडी कार्यकत्री, सुपरवायजर घर–घर जाकर बुखार से पीडित लोगों का सर्वे करें और पैरासीटामोल, मल्टीविटामिन, ओआरएस वितरित करने सहित उन्हे बीमारियों से बचने के लिए भी जागरूक करें। उन्होने सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिए कि वह अपने पीएचसी–सीएससी से रैण्डम बीस–बीस ब्लड़ सैम्पल कलैक्ट कर जिला अस्पताल को भिजवाऐं वहां से यह सैम्पल स्पेशल गाडी से लखनऊ पीजीआई को भेजें जाऐं। जिलाधिकारी ने सभी पीएचसी–सीएचसी पर जनपद स्तरीय अधिकारियों को नोडल अधिकारी के रूप में तैनात किया है। तैनात नोडल अधिकारी डेंगू, मलेरिया व वायरल बुखार के प्रभावी रोकथाम के लिए की जा रही गतिविधियों को प्रतिदिन रिपोर्ट करेंगे। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी चर्चित गौड़, मुख्य चिकित्साधिकारी दिनेश कुमार प्रेमी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी ए0के0दीक्षित सहित सम्बन्धित विभागों अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहें।

संचारी रोगों की रोकथाम को चलाया अभियान

शिकोहाबाद । वार्ड संख्या 19 आवास विकास व कांशीराम कॉलोनी में अधिशाषी अधिकारी अवधेश कुमार के निर्देशन में संचारी रोगों की रोकथाम के लिए अभियान चलाया गया। इस अवसर पर वार्ड में एंटीलार्वा का छिड़काव कराया और फोगिंग कराई गई। वार्ड में खाली पड़े प्लाटों और जलभराव वाले स्थानों पर एंटीलार्वा का छिड़काव कराया और पूरे मोहल्ले में प्रत्येक गली में फोगिंग मशीन से फोगिंग कराई। जिससे मच्छरों से उत्पन्न होने वाली बीमारियों से लोगों को बचाया जा सके। इस दौरान पालिका टीम ने क्षेत्रीय सभासद पंचम सिंह यादव के साथ लोगों को घर–घर जाकर संचारी रोगों के प्रति जागरूक किया। उन्हें रोगों से बचने के लिए उपाय बताए। अभियान सफाई निरीक्षक कुलदीप सिंह के नेतृत्व में चलाया गया। इस अवसर पर नानक चंद्र, फिरोज खांन, शशिकपूर, राहुल कुमार और अमन आदि मौजूद रहे।

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी प्रकाशन एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतीनगर निकट हीरो एजेन्सी, मधुकरपुर,जिला–सिद्धार्थनगर–272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित ।
आर.एन.आई. नं0– UPHIN/2012/49458
संस्थापकः– स्व0 श्री के.सी. शर्मा | प्रधान सम्पादकः– राजेश शर्मा
8795951917, 9453824459
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय ही मान्य होगा
ई–न्यूज पेपरः– www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

खिड़कियों–दरवाजों के जाम नट–बोल्ट को ठीक करने के लिए अपनाएं ये तरीके

अगर आपके लिए अपने घर की खिड़की–दरवाजों को ठीक से बंद करने और खोलने में दिक्कत होती है या उनमें से आवाज आती है तो समझ जाइए कि इनके नट–बोल्ट जाम हो गए हैं। हालांकि, कई लोगों को इस बात का पता नहीं चलता और वे खिड़की–दरवाजों को ठीक करने के लिए कारपेंटर बुला लेते हैं, जो अच्छे–खासे पैसे ले जाता है। ऐसे में बार–बार कारपेंटर को बुलाने की जगह आप कुछ तरीकों से खिड़की–दरवाजों को ठीक कर सकते हैं।

तेल का करें इस्तेमाल

अगर आपके घर की किसी खिड़की या फिर दरवाजे के नट–बोल्ट जाम हो गए हैं तो इन्हें ठीक करने के लिए आप मिट्टी के तेल, मोबिल ऑयल या फिर सरसों के तेल आदि का इस्तेमाल कर सकते हैं। बस जिस भी खिड़की या दरवाजे को बंद करने और खोलने में परेशानी हो, उसके नट–बोल्ट पर अच्छे से मिट्टी के तेल या फिर सरसों के तेल आदि की कुछ बूंदें डालें। इससे कुछ ही मिनट में खिड़की–दरवाजे ठीक हो जाएंगे।

साबुन आएगा काम

साबुन के प्रयोग के दौरान वह घिसते–घिसते टुकड़ों में बंट जाता है और कई लोग इन टुकड़ों को फेंक देते हैं। इसके लिए साबुन के टुकड़े को खिड़की–दरवाजों के जाम नट–बोल्ट पर अच्छे से रगड़े। इससे ये ठीक से काम करने लगेंगे। हालांकि, ध्यान रखें कि साबुन के टुकड़ों को पानी से गीला करके न लगाएं क्योंकि ऐसा करने से खिड़की–दरवाजों के नट–बोल्ट पर ठीक से साबुन नहीं लग पाएगा।

पेट्रोलियम जेली भी करेगी मदद

आमतौर पर पेट्रोलियम जेली का इस्तेमाल त्वचा को मॉइश्चराइज करने के लिए किया जाता है, लेकिन अगर आप चाहें तो इसके इस्तेमाल से खिड़की–दरवाजे के जाम नट–बोल्ट को ठीक करने के लिए भी कर सकते हैं। दरअसल, पेट्रोलियम जेली का टेक्सचर चिकना होता है, जो खिड़की–दरवाजे के जाम नट–बोल्ट में चिकनाहट उत्पन्न करके उन्हें ठीक कर सकता है। इसके लिए बस पेट्रोलियम जेली को खिड़की–दरवाजों के जाम नट–बोल्ट पर अच्छे से रगड़े।

मक्खन भी है कारगर

अगर आपके घर की खिड़कियों या दरवाजों को ठीक से बंद करने और खोलने में दिक्कत हो रही है तो इन्हें ठीक करने के लिए आप मक्खन का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए नट–बोल्ट पर अच्छे से मक्खन रगड़कर ऐसे ही छोड़ दें। यह तेल की तरह जल्दी काम तो करेगा नहीं, लेकिन करेगा जरूर। दरवाजों और खिड़कियों से आ रही आवाज को खत्म करने में भी यह सहायक है।

जल्दी ही बॉलीवुड में बड़ी बड़ी एक्ट्रेस को टक्कर देगी टुनिशा शर्मा

बॉलीवुड फिल्मो में कई एक्टर्स और कई चाइल्ड एक्ट्रेस भी काम करती है ऐसे ही एक चाइल्ड एक्ट्रेस है जो इन दिनों काफी चर्चा में है। विद्या बालन की फिल्म कहानी 2 में विद्या बालन की

बेटी का रोल करने वाली टुनिशा शर्मा इन दिनों काफी हॉट और अदाओ से सोशल मिडिया पर छा रही है। बच्ची का रोल करने वाली टुनिशा शर्मा अब बच्ची नहीं है बल्कि बड़ी होकर सबके दिलो में आग लगा रही है। मात्र 16 साल की उम्र में टुनिशा शर्मा एक दो फिल्मो में काम कर चुकी है और अभी से सोशल मिडिया पर काफी एक्टिव रहती है। टीवी सीरियल में भी काफी अच्छा नाम कमा चुकी टुनिशा शर्मा जल्दी ही बॉलीवुड में बड़ी बड़ी एक्ट्रेस को टक्कर देगी। तुनिषा शर्मा एक भारतीय टेलीविजन और फिल्म एक्ट्रेस हैं. वह भारत की कुछ कलाकारों में से एक हैं जिन्होंने बहुत कम समय में फिल्म और टेलीविजन में अच्छी पहचान बनायीं हैं. वह टेलीविजन सीरियल इश्क सुभान अल्लाह, इन्टरनेट वाला लव, भारत का वीर पुत्र महाराणा प्रताप और गब्बर पूँछवाला के लिए जानी जाती हैं. तुनिषा का जन्म 4 जनवरी 2002 को चंडीगढ़ में हुआ था. उन्हें बचपन से ही फिल्मों में काम करने के प्रति जूनून था और वह इसी फील्ड में अपना करियर बनाना चाहती थी. 14 साल की उम्र में उन्हें भारत का वीर पुत्र महाराणा प्रताप सीरियल के लिए सेल्क्ट कर लिया गया. जिसमे उन्होंने राजकुमारी चाँद कँवर का किरदार निभाया. इस शो के बाद उन्होंने चक्रवर्ति अशोक सम्राट सीरियल में राजकुमारी अहंकारा का मुख्य किरदार निभाया. इस सीरियल से उन्हें खूब प्रसिद्धी हासिल हुई. इस शो के बाद वह कई टेलीविजन शो गब्बर पूँछवाला, शेर–ए–पंजाबरू महाराणा रणजीत सिंह, इन्टरनेट वाला लव और इश्क सुभान अल्लाह शो में नजर आई. टेलीविजन के अलावा तुनिषा फिल्मों की दुनिया में भी सक्रिय हैं वह फिल्म फितूर, बार बार देखो, कहानी 2:दुर्गारानी सिंह और दबंग 3 में काम कर चुकी हैं.

कुछ रंग प्यार के ऐसे भीः नई कहानी में नजर आएंगी सना अमीन शेख

अभिनेत्री सना अमीन शेख कुछ रंग प्यार के ऐसे भीरू नई कहानी में संजना नाम का एक दिलचस्प किरदार निभाती नजर आएंगी। एक खुशमिजाज व्यक्तित्व की भूमिका निभाते हुए, जो पारिवारिक भी है और पारंपरिक मूल्यों को रखती है। देव (शहीर शेख) और सोनाक्षी (एरिका फर्नांडीस) के जीवन में उनका प्रवेश बहुत सारे मोड़ लाएगा।

शो में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए, सना अमीन शेख ने साझा किया कि शो में मेरा चरित्र देव और सोनाक्षी की प्रेम कहानी में एक नया मोड़ जोड़ देगा। दिल टूटने के बाद, संजना अब अपनी जड़ों से जुडने और बहुत कुछ खोजने की तलाश कर रही है।

वह आगे कहती है कि एक बार जब वह देव का रास्ता पार कर लेती है, तो बहुत कुछ बदलना शुरू हो जाता है।

जैसे–जैसे ट्रैक आगे बढ़ेगा, स्थिति और अधिक तीव्र होती जाएगी और दर्शकों को झटके और आश्चर्य की एक श्रृंखला नजर आएगी।

सना को गुस्ताख दिल, मेरा नाम करेगा रोशन और जीत जाएंगे हम में उनकी भूमिकाओं के लिए जाना जाता है। कुछ रंग का हिस्सा बनने के बारे में बात करते हुए सना आगे कहती हैं, ऐसे शो का हिस्सा बनना जिसे बहुत से लोग प्यार करते हैं, एक अद्भुत एहसास है। साथ ही, कलाकार विशेष रूप से शहीर शेख, जिन्हें मैं जानती हूं साथ ही सुप्रिया पिलगांवकर और एरिका फर्नांडीस ने मुझे सहज महसूस कराया है। मैं वास्तव में शो में अपनी भूमिका के लिए उत्सुक हूं और उम्मीद करती हूं कि दर्शक भी इसकी सराहना करेंगे।

कुछ रंग प्यार के ऐसे भीरू नई कहानी सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है।

जल्दी पॉकेट मनी कमाने के लिए मॉडलिंग में शामिल हुई मलाइका अरोड़ा

मलाइका अरोड़ा को मॉडलिंग की दुनिया में आए एक दशक से अधिक समय हो गया है। एक मॉडल के रूप में वर्षों की मेहनत के बाद, उन्होंने एमटीवी सुपरमॉडल ऑफ द ईयर को जज किया है। शो के दूसरे सीजन में जज बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मलाइका ने कहाः हमारे पास लड़कियों का वास्तव में अद्भुत लाइनअप है। जब आप वर्चुअल ऑडिशन देते हैं, तो आपके पास वास्तव में छोटे शहरों से आने वाली लड़कियां होती हैं। लड़कियों के लिए जहां से भाग लेना है, वहां से आना मुश्किल हो जाता है। लेकिन, अब क्योंकि यह आभासी है इसने इसे बहुत आसान बना दिया है। शो के लिए ऑडिशन देने वाली विभिन्न प्रकार की लड़कियों को साझा करते हुए, उन्होंने कहा कि कुछ ने एक शब्द भी नहीं कहा, कुछ ने कभी कैमरे का सामना नहीं किया, कभी मेकअप नहीं किया। कुछ लड़कियां इतनी छोटी पृष्ठभूमि से आती हैं कि उन्हें अपने घर छोडने की अनुमति नहीं है। वास्तव में उन्हें अपने खोल से बाहर आते देखना वास्तव में आश्चर्यजनक है। मैं वास्तव में खुश और गर्वित हूं। मलाइका ने कहा, इस बार हम चाहते थे कि आप लंबे, छोटे, मोटे, पतले, अविवाहित, विवाहित, ट्रांसजेंडर या पुलिस वाले हों। हम सिर्फ जीवन के सभी क्षेत्रों की महिलाओं को चाहते हैं। हमने वास्तव में उन्हें हर समय गले लगाया है। . मलाइका का मानना है कि कोई एक मॉडल हो सकता है लेकिन उस सुपर को एक मॉडल में जोडना दूसरों से अलग है। उन्होंने कहा कि यह शो महिला मॉडलिंग की रूढियों को तोड़ता है। मलाइका ने बहुत ही कम उम्र में मॉडलिंग ज्वाइन कर ली थी। 1990 के दशक के अंत में उन्हें वीडियो जॉकी में से एक के रूप में चुना गया था। इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में प्रवेश किया, कई विज्ञापनों, एल्बम गानों जैसे गुर नाल इश्क मीठा में दिखाई दीं। उनके करियर में महत्वपूर्ण मोड़ 1998 में रिलीज हुई शाहरुख खान–स्टारर दिल से का ट्रैक छैय्या छैय्या था स्मृति लेन में जाते हुए, मलाइका ने उस समय को याद किया जब उन्होंने जल्दी पैसे के लिए मॉडलिंग में प्रवेश किया था। उन्होंने बताया, छोटी से उम्र में ही कठिन कम यह बहुत चुनौतीपूर्ण रहा है। मैं बिना किसी उम्मीद के आई थी। मुझे लगा कि यह कुछ जल्दी पॉकेट मनी बनाने का एक शानदार अवसर है। मुझे कभी नहीं पता था कि आखिरकार, यह एक करियर बन जाएगा। उसने आगे कहाः तब से अब तक, यह अच्छी बात है कि उद्योग कैसे बदल गया है। लोगों को यह समझने की जरूरत है। हमारे पास ये बातचीत तब होती है जब लड़कियां कहती हैं कि वे मॉडलिंग में अपना करियर बनाना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि बहुत से माता–पिता कहते हैं, आप अपना समय बर्बाद कर रहे हैं। मैं बहुत से माता–पिता को बताना चाहता हूं। यह मत सोचो कि आप इसमें करियर नहीं बना सकते। यह एक उचित पूर्ण विकसित है करियर। मैंने इसमें से अपना करियर बनाया है और इसी तरह कई अन्य लोगों ने भी बनाया है। वह अपनी यात्रा को अद्भुत कहती है और अपने हिट और मिस को याद करती है। मलाइका ने कहा मेरे पास उतार–चढ़ाव का मेरा उचित हिस्सा था। मैं इसे किसी भी चीज के लिए कभी भी व्यापार नहीं करती। क्योंकि यही मुझे वह व्यक्ति बनाता है जो मैं हूं।

इन आदतों से आंखों के स्वास्थ्य पर पड़ता है बुरा असर, जल्द सुधारें

आंखें हमारे शरीर के सबसे नाजुक अंगों में से एक है और इन्हें स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए इनकी देखभाल करना बहुत जरूरी है। हालांकि कई बार आंखों का पूरा ख्याल रखने के बावजूद भी लोगों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है और इसका मुख्य कारण उनकी कुछ आदतें हो सकती हैं। चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी ही आदतों के बारे में बताते हैं, जिनका आंखों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

सनग्लासेस न पहनना

अगर किसी भी काम के लिए धूप में आंखों पर बिना सनग्लासेस लगाए घर से बाहर निकलते हैं तो आपकी यह आदत आंखों को नुकसान पहुंचाने का कारण बन सकती है। कई लोगों को लगता है कि सनग्लासेस सिर्फ लोग फैशन के लिए पहनते हैं, लेकिन असल में यह आंखों को सूरज की

हानिकारक यूवी किरणों से बचाने में मदद करते हैं। इसलिए बेहतर होगा कि आप धूप में निकलने से पहले आंखों पर यूवी प्रोटेक्शन वाले सनग्लासेस जरूर लगाएं।

ध्रूमपान करनाः अगर आप यह सोचते हैं कि ध्रूमपान करने से आप कूल लगते हैं तो आपका ऐसा सोचना गलत है क्योंकि ध्रूमपान के कारण न केवल आपके स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ता है, बल्कि इससे आपकी आंखों को भी नुकसान पहुंचता है। दरअसल, ध्रूमपान के दौरान इसका धुआं आंखों में भी जाता है, जिसके कारण आंखों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए अगर आप ध्रूमपान करते हैं तो जल्द से जल्द इसे छोडने की कोशिश करें।

नींद पूरी न कर पाना

व्यस्त दिनचर्या के कारण कई लोग चाहकर भी अपनी नींद पूरी नहीं कर पाते है और उनकी इसी आदत से आंखों को नुकसान पहुंचता है। नींद पूरी न कर पाने की वजह से ज्यादातर लोगों की आंखें लाल हो जाती हैं। वहीं, इसके कारण आंखों में दर्द और जलन की समस्या भी हो सकती है। दरअसल, अगर आप पर्याप्त नींद नहीं ले पाते हैं तो इसके कारण आंखों को आराम नहीं मिलता, जो आंखों की समस्याओं का कारण बनता है।

डाइट का सही न होना

अगर आपकी डाइट सही नहीं है तो इसके कारण भी आंखों को नुकसान पहुंच सकता है। उदाहरण के लिए संतुलित डाइट न लेना और अनहेल्दी चीजों के सेवन से आंखें कमजोर हो सकती हैं या फिर इनमें कोई बीमारी उत्पन्न हो सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि आप अपनी डाइट में स्वास्थ्यवर्धक खाद्य और पेय पदार्थों को शामिल करें। स्वास्थ्यवर्धक खाद्य और पेय पदार्थों के रूप में विटामिन–ई, विटामिन–सी, फाइबर, हेल्दी फैट्स और प्रोटीन युक्त चीजों का सेवन जरूर करें।